आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ

● वर्ष- 16 अंक 142 ● जबलपुर ● गुरुवार, 23 जून, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष-10 ● विक्रम संवत् 2079 शके 1935

24 घंटे देखे यश भारत डिजिटल न्यूज चैनल
DIGIANA NEWS 91
hathway 598
UCN NEWS 81

ईडीने मानी सोनिया गांधी की मांग, पूछताछ टली

अब जुलाई में हो सकती है पेशी

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस अध्यक्ष की दरख्वास्त मंजूर करते हुए उन्हें कुछ और दिन का समय दिया है। नेशनल हेराल्ड केस में उनसे आज पूछताछ होनी थी, लेकिन उन्होंने अपने स्वास्थ्य का हवाला देते हुए कुछ और दिन की मोहलत मांगी थी। सूत्रों के मुताबिक, जुलाई के आखिरी हफ्ते में उनकी पेशी होने की संभावना है।

मस्जिदों से अपील!

अग्निपथ में जरूर करें आवेदन

अग्निवीर बनने के लिए प्रेरित करेंगे इमाम

कानपुर,एजेंसी। कई राज्यों में हो रहे 'अग्निपथ' के विरोध के बीच कानपुर में सकारात्मक पहल शुरू की गई है। इसके तहत इमाम मस्जिदों से अपील करेंगे कि मुस्लिम समाज के युवक योजना में आवेदन जरूर करें। शुक्रवार को जुमे की नमाज से पहले अपील होगी। शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स(एएमपी) ने युवाओं को अग्निवीर बनने को आवेदन करने की सलाह दी। संगठन इमामों का सहारा भी लेगा। एएमपी ने सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी है कि जो युवा 10वीं या 12वीं पास हैं वे आवेदन कर सकते हैं। 24 जून से रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू होगी। 25 जुलाई से ऑनलाइन परीक्षा होगी। उम्र 17 वर्ष छह माह से 23 साल के बीच होनी चाहिए। एएमपी ने अपील की है कि अग्निपथ के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जानकारी दी जाए। कॉलेजों में जाकर भी जागरूक करें। अग्निपथ के बारे में हर धर्म और समुदाय के युवाओं को जानकारी दी जा सकती है।

उद्धव ठाकरे के पास सरकार बचाने की चुनौती

टूट की कगार पर खड़ी शिवसेना

विधायकों के बाद अब नाराज हुए 8 से 9 सांसद

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी गठबंधन की सरकार का जाना तय माना जा रहा है। मुमकिन है कि आज शाम तक तस्वीर साफ हो जाएगी, क्योंकि बीते कल की घटनाओं ने महाराष्ट्र के भविष्य का खाका खींच दिया है। इस बीच, पिछले 12 घंटे में शिवसेना के पांच और दो निर्दलीय विधायक गुवाहाटी पहुंचे। इनमें गुलाबराव पाटील, योगेश कदम, सदा सरवंकर, योगेश पवार और मंगेश कुंडालकर शामिल हैं। बाकी दो विधायक मंजुला गावित और चंद्रकांत पाटिल निर्दलीय हैं। ये सुबह गुवाहाटी की रेडिसन ब्लू होटल पहुंचे। विधायकों की तरह ही शिवसेना के 19 में से करीब 8-9 सांसद भी उद्धव का दामन छोड़ सकते हैं। इसके साथ एकनाथ शिंदे की ताकत बढ़ती जा रही है। शिवसेना के बागी विधायकों की कुल संख्या 41 तक पहुंच गई। बाकी 7 निर्दलीय विधायक हैं। अब, एकनाथ के पास कुल 48 विधायकों के समर्थन होने का दावा किया जा रहा है।

अब शिवसेना टूट की कगार पर खड़ी है। जनता के नाम एक भावनात्मक संदेश जारी कर सीएम उद्धव ठाकरे अब अपने सरकारी आवास यानी वर्षा बंगले से अपना सारा सामान लपेटकर मातोश्री पहुंच चुके हैं। इस बीच यह जानकारी सामने आ रही है कि शिवसेना के करीब 8से 9 सांसद भी उद्धव का साथ छोड़ सकते हैं। गुवाहाटी में बैठे 20 विधायक मुंबई लौटेंग- संजय राउत

शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि आज भी हमारी पार्टी मजबूत है। किस हालात और किस दबाव में उन लोगों ने हमारा साथ छोड़ा उसका खुलासा जल्द होगा... हमारे संपर्क में लगभग 20 विधायक हैं और जब वे मुंबई आएंगे तब इसका खुलासा होगा। जो श्वष्ठ के दबाव में पार्टी छोड़ता है वह बालासाहेब का भक्त नहीं हो सकता। एनसीपी प्रमुख शरद पवार के आवासा पर पार्टी के बड़े नेताओं के साथ बैठक हो रही है। बैठक में डिप्टी सीएम अजीत पवार, गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटिल, मंत्री जयंत पाटिल और जितेंद्र अव्हाड और पार्टी नेता सुनील तटकरे के बीच बैठक चल रही है।

शिंदे गुट का दावा हम असली शिवसेना

शिंदे गुट ने दावा किया है कि वो ही असली शिवसेना है। एकनाथ शिंदे ने शिवसेना के चुनाव चिह्न पर भी दावा किया है। शिंदे के साथ शामिल नेताओं का कहना है कि प्रदेश में एक बार फिर भाजपा और शिवसेना की सरकार बनना चाहते हैं। उद्धव ठाकरे इसके लिए तैयार नहीं हैं, इसलिए उन्हें यह उठापठक करना पड़ रही है। इसी बीच टीएमसी कार्यकर्ताओं ने गुवाहाटी में होटल के बाहर भारी हंगामा किया।

जो अपनी सरकार बचा नहीं पाए, उद्धव ठाकरे की कैसे बचाएंगे

शिवराज का कमलनाथ पर तंज

इंदौर,एजेंसी। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के बीच राजनीतिक उठापटक जारी है। वरिष्ठ नेता एकनाथ शिंदे उद्धव ठाकरे सरकार से नाराज हैं। शिंदे इस समय असम के गुवाहाटी में हैं और उनका कहना है कि उन्हें 48 से अधिक विधायकों का समर्थन प्राप्त है। इसी बीच उनके बगावती तेवर को कम करने के लिए कांग्रेस ने कमलनाथ को महाराष्ट्र भेजा है। इसे लेकर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व सीएम पर तंज कसा है। एक कार्यक्रम के दौरान शिवराज ने कहा कि वो अपनी सरकार नहीं बचा पाए तो महाराष्ट्र की कैसे बचा पाएंगे। शिवराज ने दो साल पहले कमलनाथ सरकार के गिरने का जिक्र करते हुए कहा, उन्हें महाराष्ट्र भेजा गया है... उन्हें राज्य क्यों भेजा गया है? सरकार बचाने के लिए। जो अपनी ही सरकार को नहीं बचा सके... महाराष्ट्र सरकार को कैसे बचाएंगे? क्या कांग्रेस आपका कुछ भला कर सकती है? पार्टी अपनी आखिरी सांसें गिन रही है और उसके शीर्ष नेता (राहुल गांधी) प्रवर्तन निदेशालय कार्यालय के चक्कर काटने में व्यस्त हैं। 2020 में, कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार गिर गई थी क्योंकि ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीजेपी में शामिल होने पर 20 से अधिक विधायकों ने पार्टी का साथ छोड़ दिया था। सदन में विश्वास मत साबित करने से पहले कमलनाथ ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद चौहान ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक संकट के बीच नाथ को कांग्रेस ने इस हफ्ते पर्यवेक्षक के तौर पर राज्य भेजा है।

राष्ट्रपति चुनाव को लेकर गड़बड़ाई विपक्ष की रणनीति

एनडीए ने साधे एक साथ कई समीकरण

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रपति चुनाव को लेकर विपक्ष अभी ठीक से एकजुट भी नहीं हो पाया था कि एनडीए ने आदिवासी महिला उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के नाम का ऐलान कर उसके लिए बड़ी चुनौती पैदा कर दी है। मुर्मू को उम्मीदवार बनाकर एनडीए ने एक साथ कई समीकरण साधे हैं। वह ओडिशा से ही हैं इसलिए उम्मीद के अनुरूप बीजद ने उनके समर्थन का भी ऐलान कर दिया है। बीजद के समर्थन से एनडीए के पास जो एक फीसदी मतों की कमी थी वह दूर होती नजर आ रही है। कई और छोटे दल भी आदिवासी महिला उम्मीदवार के समर्थन में आ सकते हैं। झामुमो पर भी यह दबाव होगा कि वह आदिवासी महिला उम्मीदवार का समर्थन करे या विरोध नहीं करे।एनडीए के इस दांव से जहां कई गैर एनडीए दलों के भी उसके साथ आने की संभावना बढ़ गई है, वहीं यह भी कहा जा रहा है कि मुर्मू के सामने विपक्ष का उम्मीदवार भी कमजोर पड़ रहा है। विपक्ष ने यशवंत सिन्हा को मैदान में उतारा है। वे कुछ समय पूर्व भाजपा से तृणमूल में गए थे और तृणमूल कांग्रेस की तरफ से ही उन्हें राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बनाया गया। इस

चालक की झपकी ने ले ली 10 की जान

पीलीभीत में भीषण सड़क हादसा

हाईवे पर पलटी डीसीएम, दस की मौत, कई गंभीर घायल

पीलीभीत,एजेंसी। आज तड़के करीब चार बजे उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में हुए भीषण सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई। करीब 7 लोग घायल हुए हैं। जिनमें दो की हालत गंभीर है। जानकारी के अनुसार, पीलीभीत के गजरौला थाना इलाके में चालक को झपकी आने के बाद तेज रफ्तार डीसीएम पेड़ से टकराकर हाईवे पर पलट गई और 10 लोगों की मौत की हो गई। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। यह भीषण हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि डीसीएम में सवार लोग हरिद्वार से गंगा स्नान कर लौट रहे थे। हादसे का शिकार हुए ज्यादातर लोग लखीमपुर के गोला के रहने वाले हैं। घटना स्थल पर हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। गहरी नींद में सोए हुए थे श्रद्धालु हादसे में सुशांत (14 वर्ष), आनंद (3 वर्ष), खुशी (2 वर्ष), लक्ष्मी (32वर्ष), लालमन (63 वर्ष), हर्ष (25 वर्ष), रचना, सरला, श्याम सुंदर और ड्राइवर की मौत हो गई। जबकि प्रवीण, प्रशांत, संजीव, शीलम शुक्ला, कृष्णपाल, पूनम, रिशू उर्फ यश गंभीर रुप से घायल हो गए। जहां से प्रशांत को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। सभी गोला और पुवायां के रहने वाले हैं। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने मलबे को सड़क हटवाया।हादसे में बचे प्रवीण ने बताया कि, सुबह कुछ लोग पिकअप में गहरी नींद में सोए हुए थे।

खाद्य तेलों की कीमत में गिरावट, कई प्रमुख ब्रांड ने 15 रुपए तक की कटौती

नई दिल्ली,एजेंसी। आसमान छूती खाद्य तेलों की कीमत में तेजी से गिरावट देखी जा रही है। खाद्य तेल की कीमत में 10 से 15 रुपए तक की गिरावट दर्ज की गई है। खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने बुधवार को जानकारी दी है कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों में नरमी और सरकार के समय पर हस्तक्षेप से खुदरा बाजार में खाद्य तेल की कीमतें कम होने लगी हैं। आपको बता दें कि इस महीने की शुरुआत से देश भर में मूंगफली के तेल को छोड़कर, पैकेज्ड खाद्य तेलों की औसत खुदरा कीमतों में थोड़ी कमी आई है और फिलहाल तेल की कीमतें 150 से 190 रुपए प्रति किलोग्राम के बीच चल रही है।बीते सप्ताह खाद्य तेल कंपनियों अदानी विल्मर और मदर डेयरी ने भी खाद्य तेल की MRP (अधिकतम खुदरा मूल्य) में 10-15 रुपए प्रति लीटर की कमी की। इन दोनों प्रमुख खाद्य तेल कंपनियों ने कहा कि नए MRP वाला स्टॉक जल्द ही बाजार में आ जाएगा।

संक्षिप्त न्यूज

अयोध्या में सरयू में स्नान के दौरान पत्नी को किस करना पड़ा भारी

अयोध्या,एजेंसी। अयोध्या में राम की पैड़ी पर स्नान करते हुए पत्नी से रोमांस करना युवक को भारी पड़ गया। सरयू को स्वीमिंग पूल समझ पति अपनी पत्नी को बाहों में लेकर चूमने लगा। दुनिया जहां से बेखबर इस प्रेमी जोड़े को होश ही नहीं रहा कि वो कहां खड़े हैं। उस जगह का क्या महत्व है? ये नदी कितने लोगों की आस्था का केंद्र रही है? कितने लोग उन्हें देख रहे हैं? जिस पवित्र सरयू नदी में स्नान कर लोगों के भीतर भक्ति भाव उमड़ते है वहां पति-पत्नी के मन में वासना की तरंगे उठने लगी। एक तरफ लोग राम का नाम लेकर डुबकी लगा रहे थे वहीं दूसरी तरफ ये शख्स अपनी भीगी हुई पत्नी को बाहों में लेकर उसे चूम रहा था। पहले तो लोगों ने इन्हें इग्नोर किया लेकिन वहां मौजूद एक शख्स ने रोमांस में बाधा डाल दी और उस शख्स की बनियान पकड़कर उसे नदी से बाहर खींच लिया। फिर क्या था, लोग तो पहले से तमाशा देख रहे थे सो वो भी जमा हो गए। इसके बाद लोगों ने उस शख्स पर थप्पड़ों की बारिश कर दी। भीड़ में कई लोगों ने हाथ साफ किए और बेचारे प्रेमी की हालत पतली कर दी।

गुटखे के अवैध कारोबार-तस्करी में 1378 करोड़ से ज्यादा की होगी जीएसटी वसूली

इंदौर की 16 फर्मे और गुजरात की नौ फर्मों पर कार्रवाई

इंदौर,एजेंसी। आपरेशन कर्क के तहत गुटखे के अवैध कारोबार और तस्करी में इंदौर की 16 और गुजरात की नौ फर्मों को 1378 करोड़ रुपए से ज्यादा की जीएसटी वसूली का नोटिस जारी किया जा रहा है। कोरोना के पहले लाकडाउन के दौरान 2020 में गुटखा-सिगरेट तस्करी का मामला डायरेक्टोरेट आफ रेवेन्यू इंटेलीजेंस (डीआरआइ) और डायरेक्टोरेट जनरल आफ जीएसटी इंटेलीजेंस (डीजीजीआइ) ने पकड़ा था। इंदौर को केंद्र बनाकर चल रहे तस्करी के इस मामले में डीजीजीआइ ने टैक्स चोरी का हिसाब निकाल लिया है। गुटखा निर्माण कर रहे और अन्य प्रदेशों में उसकी तस्करी कर रहे 27 लोगों पर कुल 13 हजार 78 करोड़ 43 लाख 50 हजार 773 रुपये का टैक्स और पेनाल्टी लगाकर चुकाने का आदेश दिया गया है।

मप्र में आज थमेगा गांव का चुनावी शोर

48 घंटे तक शराब दुकानें बंद रहेंगी

भोपाल,यशभारत। मध्यप्रदेश में आज, दोपहर 3 बजे से गांव का चुनावी शोर थम जाएगा। वहीं, 48 घंटे तक शराब दुकानें बंद रहेगी। भोपाल-इंदौर समेत प्रदेश की 115 जनपदों में पहले चरण में 25 जून को सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक वोटिंग होगी। भोपाल की कुल 222 ग्राम पंचायतों में पहले ही चरण में चुनाव हो जाएंगे। चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद जिला प्रशासन नजर रखेगा। आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पहले चरण में जिन ग्राम पंचायत क्षेत्रों में वोटिंग होना है, वहॉं पर 23 जून को दोपहर 3 बजे से सार्वजनिक सभा करना प्रतिबंधित हो जाएगा। वहीं, यहां पर वोटिंग समाप्त होने के बाद ही शराब दुकानें खुलेंगी। पहले चरण में 8702 ग्राम पंचायत, 115 जनपद पंचायतों में 27 हजार 49 मतदान केंद्रों पर 1 करोड़ 49 लाख वोटर मतदान करेंगे। पंचायत चुनाव तीन चरण में होगा। पहले चरण की वोटिंग 25 जून को होगी। दूसरे चरण के लिए मतदान 1 जुलाई और तीसरे चरण के लिए 8 जुलाई को मतदान होगा। (देखें पेज 5 भी)

6 राज्यों में उपचुनाव

तीन लोकसभा और सात विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग

नई दिल्ली। देश में आज तीन लोकसभा और सात विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग हो रही है। इनमें उत्तर प्रदेश की दो और पंजाब की एक लोकसभा सीट शामिल है। वहीं, त्रिपुरा की चार और आंध्र प्रदेश, झारखंड और दिल्ली की एक-एक विधानसभा सीट शामिल है। सभी सीटों पर वोटिंग सुबह 7 बजे से शुरू हो गई है, जो शाम 6 बजे तक चलेगी। उपचुनाव के नतीजे 26 जून को घोषित किए जाएंगे। लोकसभा की जिन तीन सीटों पर मतदान हो रहा है उनमें उत्तर प्रदेश की आजमगढ़ और रामपुर और पंजाब की संगरूर सीट शामिल है। वहीं, सात विधानसभा सीटों में दिल्ली की राजेंद्र नगर, झारखंड की मंदार, आंध्र प्रदेश की आत्मकुर और त्रिपुरा की अगरतला, टाउन बोरदोवाली, सूरमा और जुबाराजगर सीट शामिल है।

बढ़ रहे कोरोना के केस ,मौतों का आंकड़ा 3 गुना बढ़ा

एक ही नमूने में मिले जीका, डेंगू और चिकनगुनिया

मैसूरू,,एजेंसी। एक ओर जहां देश में कोरोना केस में फिर से बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। पिछले 24 घंटे में 13,195 नए केस मिले हैं। कोरोना से मौतों का आंकड़ा पिछले दिन के मुकाबले लगभग 3 गुना बढ़ गया है। बुधवार को कोरोना ने 38 लोगों की जान ली है, जबकि मंगलवार को 13 लोगों की मौत हुई थी। देश में इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 82,550 हो गई है, मंगलवार को इसका आंकड़ा 81,687 था। ठीक होने वालों की संख्या 10,910 दर्ज की गई है। वहीं देश के कई राज्यों में जीका वायरस के प्रसार से जुड़े सुबूत मिलने से हड़कंप तच गया है। वैज्ञानिकों ने राज्यों से तत्काल जमीनी स्तर पर निगरानी बढ़ाने के लिए कहा है। नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अधीन देश के अलग-अलग केंद्रों ने मिलकर यह पता लगाया है कि देश के एक या दो नहीं बल्कि कई हिस्सों में जीका वायरस की मौजूदगी है। इस संक्रमण के साथ साथ डेंगू और चिकनगुनिया की भूमिका भी सहायक के तौर पर देखने को मिल रही है।यानी एक ही मरीज में जीका के अलावा डेंगू या फिर चिकनगुनिया का असर भी मिल रहा है और जब इनकी जांच की गई तो पता चला कि इन मरीजों में सहायक संक्रमण है जोकि देश में अब तक इसकी पुष्टि नहीं हुई थी। मेडिकल जर्नल फंटियर्स में प्रकाशित इस अध्ययन में साफ तौर पर वैज्ञानिकों ने कहा है कि बीते कुछ समय में भारत में जीका वायरस की गंभीर स्थिति देखने को मिली है। पिछले वर्ष अलग-अलग राज्यों से कई मामले भी सामने आए थे।

जूते पड़ने का डर!

हेलमेट पहन कांग्रेस प्रत्याशी मांग रहे वोट

धमकी के बाद शिकायत भी दर्ज करवाई

भोपाल,यशभारत। मध्य प्रदेश के नगरीय निकाय चुनाव में सभी दलों के प्रत्याशी अपनी-अपनी जीत के लिए पूरी ताकत झोंक रहे हैं। इस बीच विदिशा से चुनाव प्रचार की एक अजीबोगरीब तस्वीर सामने आई है, जो चर्चा में है। यहां एक प्रत्याशी अन्य प्रत्याशियों की तरह ही लोगों के घरों में जाकर वोट मांग रहे हैं, लेकिन उनके सिर पर लगा हेलमेट उन्हें अन्य प्रत्याशियों से अलग बना रहा है। बता दें कि यह हेलमेट उन्होंने इसलिए पहना है क्योंकि उन्हें धमकी मिली है कि अगर वो वोट मांगने निकले तो कही सिर पर जूते ना पड़ जाएं।दसअसल कांग्रेस ने यहां वार्ड संख्या -18 से मनोज खींची को अपना प्रत्याशी बनाया है। मनोज खींची लगातार दो बार यहां से पार्षद रहे हैं और तीसरी बार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। मनोज की पत्नी भी पार्षद रह चुकी हैं। इस बार मनोज खींची हेलमेट पहन कर वोट क्यों मांग रहे हैं, इसे लेकर कांग्रेस प्रत्याशी ने कहा है कि उन्हें धमकी मिली है। मनोज ने मीडिया से बातचीत में बताया कि किसी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली है। इसमें उनको नसीहत दी गई थी कि वो हेलमेट पहनकर चुनाव प्रचार में आएं नहीं तो वार्ड में उनका स्वागत जूतों और चप्पलों से होगा। अब मनोज और उनके समर्थक जूते पड़ने के डर से हेलमेट पहनकर चुनाव प्रचार के लिए निकल रहे हैं। पेशी के लिए आए आरोपी की हत्या पर हाईकोर्ट ने लिया स्वत- संज्ञान, कहा- अदालतों की सुरक्षा को क्या किया बताए सरकार; मांगा जवाब

बैतूल में दुल्हनियां लेने JCB से निकला इंजीनियर दूल्हा

रास्ते भर दोस्तों के साथ किया डांस

बैतूल,एजेंसी। बैतूल में एक दिलचस्प मामला सामने आया है जहां अनोखी बारात निकली। जिसमें एक दूल्हा खुद JCB पर बैठकर बारात लेकर दुल्हन के घर पहुंचा। अपने दोस्तों के साथ ही JCB पर डांस भी किया। राजगढ़में टाटा कंसल्टेंसी में कार्यरत सिविल इंजीनियर अंकुश जायसवाल की शादी बुधवार को पाढर निवासी संजय मालवीय की बेटी स्वाति के साथ थी। जनवासा से मंडप पहुंचने के लिए दूल्हे के घरवालों ने दूल्हे के लिए घोड़ी का इंतजाम किया था, लेकिन दूल्हे ने घोड़ी पर बैठने से इनकार कर दिया। कहा कि वह JCB पर बैठकर ही मंडप तक जाएगा। दूल्हे अंकुश ने बताया कि वह सिविल इंजीनियर है। काम की वजह से रोजाना JCB का उसे काम पड़ता है। इसलिए उसने सोचा कि क्यों न वह इसी मशीन पर अपनी बारात निकाले। ये काफी यूनीक और इंटरेस्टिंग भी था। इससे उनका काम के प्रति प्यार भी दिखेगा।दूल्हे अंकुश सिविल इंजीनियर हैं।

जबलपुर, कटनी, मंडला, भोपाल, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

टी20 सीरीज के प्रसारण में किसी चैनल की रुचि नहीं

कप्तान हरमनप्रीत हुईं हैरान

मुंबई एजेंसी। भारत और श्रीलंका की महिला टीम के बीच तीन टी20 मैच की सीरीज गुरुवार से शुरू हो रही है। इस सीरीज के प्रसारण में किसी भी ब्रॉडकास्टर ने रुचि नहीं दिखाई है। इस वजह से पहली टी20 मैच का प्रसारण श्रीलंका क्रिकेट के यूट्यूब चैनल में करने का फैसला किया गया है। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड को अभी भी उम्मीद है कि पहले मैच के बाद कोई न कोई चैनल इस सीरीज के बाकी मैचों के प्रसारण में रुचि दिखाएगा और बाकी मैचों का प्रसारण किसी चैनल पर होगा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी इस मामले पर अपनी राय रखी है। मैच से पहले मीडिया से बातचीत को दौरान हरमनप्रीत ने कहा सीरीज के प्रसारण के बारे में मैंने बातें सुनी है। लेकिन बोर्ड की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। मुझे लगता है कि इसे लेकर अंतिम समय तक जरूर कुछ किया जाएगा।

श्रीलंका के लिए अहम हैं क्रिकेट सीरीज

आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका के लिए वनडे और टी20 सीरीज अहम हैं। क्रिकेट सीरीज की मेजबानी करके श्रीलंका फिर से अपने देश में विदेशी पर्यटकों का आकर्षित करना चाहता है और अपनी अर्थव्यवस्था पटरी पर लाना चाहता है। ऐसे में क्रिकेट सीरीज श्रीलंका के लिए अहम हैं और इनके जरिए देश की अर्थव्यवस्था पटरी पर लाने की कोशिश जारी है। ऑस्ट्रेलिया की पुरुष टीम भी श्रीलंका के दौरे पर है। इसके जरिए यहां विदेशी पर्यटक आ रहे हैं और श्रीलंकाई लोगों ने वहां का दौरा करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम को शुक्रिया भा कहा है।

मिताली के बिना खेलेगी भारतीय टीम

टीम इंडिया इस सीरीज में मिताली राज के बिना खेलेगी। मिताली पिछले दो दशकों से भारतीय क्रिकेट की सेवा कर रहीं थी। वो हमेशा ही भारत की महिला टीम का अभिन्न हिस्सा रहीं और वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। मिताली के संन्यास के बाद स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा और यास्तिका भाटिया जैसी खिलाड़ियों पर जिम्मेदारी के साथ रन बनाने का दारोमदार होगा।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम

स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमाह रोड्रिग्स, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), सब्भिनेनी मेघना, दीप्ति शर्मा, पूजा वस्त्राकर, यास्तिका भाटिया, ऋचा घोष (विकेटकीपर), पूनम यादव, राजेश्वरी गायकवाड़, मेघना सिंह, रेणुका सिंह, राधा यादव, सिमरन बहादुर।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस

इतिहास और 2022 की थीम

मुंबई एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस या विश्व ओलंपिक दिवस हर साल 23 जून को मनाया जाता है। यह खेल, स्वास्थ्य और एक साथ रहने का एक उत्सव है। यह दिन हर किसी को साथ होने और एक उद्देश्य के साथ सक्रिय रहने के लिए प्रेरित करता है। पिछले दो दशकों से ओलंपिक दिवस लगभग दुनिया के हर कोने में मनाया जा रहा है। बड़े पैमाने पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए दुनिया भर में कई तरह की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस अवसर पर एनओसी खेल, सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन कराता है। ये गतिविधियां उम्र, लिंग, सामाजिक पृष्ठभूमि या खेल क्षमता की परवाह नहीं करती। इनका उद्देश्य सिर्फ खेल के जरिए लोगों को जोड़ना है। कुछ देशों ने तो इस कार्यक्रम को स्कूली पाठ्यक्रम में भी शामिल कर लिया है।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस का इतिहास

सेंट मोरित्ज में ओलंपिक समिति की 42वीं बैठक में ओलंपिक दिवस मनाने का विचार पहली बार अपनाया गया था। यह 1948 में आईओसी के सदस्य डॉक्टर ग्रस ने स्वीडन के स्टॉकहोम में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के 41वें सत्र में विश्व ओलंपिक दिवस मनाने की बात कही थी। इसके लिए 23 जून का दिन चुना गया। 23 जून 1894 को सोरबोन, पेरिस में आईओसी की स्थापना की गई थी। पियरे डी कौबर्टिन ने ओलंपिक खेलों को पुनर्जीवित किया था। इस आयोजन के लिए राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों को लगाया गया था और 23 जून ओलंपिक के इतिहास में एक विशेष क्षण है। इसी वजह से ओलंपिक दिवस भी 23 जून को मनाया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस 2022 की थीम

इस साल की थीम है एक शांतिपूर्ण दुनिया के लिए साथ इस बार वैश्विक शांति पर जोर देते हुए ओलंपिक दिवस मनाया जाएगा। विश्व ओलंपिक दिवस 2022 इस बात पर जोर देता है कि खेल के जरिए एक बेहतर दुनिया का निर्माण करना है और लोगों को शांति से एक साथ लाना है। ओलंपिक दिवस के दिन आईओसी अपनी ओलंपिक दिवस गतिविधियों को बनाने के लिए एनओसी भी आमंत्रित करता है। सभी महाद्वीपों पर एनओसी, एथलीटों और ओलंपियनों के लिए बातचीत करने और नए खेलों को आजमाने के लिए नए और रोमांचक तरीके खोजे जाते हैं। 1987 में पहले संस्करण में केवल 45 प्रतिभागी एनओसी थे। अब यह संख्या बढ़कर सौ से अधिक हो गई है।

रोनाल्डो सिंह ने अपने जन्मदिन पर भारत को दिलाया पदक

अंतिम दिन भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

मुंबई एजेंसी। युवा साइकलिस्ट रोनाल्डो सिंह ने अपने जन्मदिन पर देश को एशियाई साइकलिंग चैंपियनशिप के सीनियर वर्ग में पहला रजत पदक दिलाया। इंदिरा गांधी साइकलिंग वेलोड्रम में बुधवार को चैंपियनशिप के अंतिम दिन रोनाल्डो ने स्प्रिंट इवेंट में रजत जीता। उनका यह चैंपियनशिप में तीसरा पदक रहा। एशियाई चैंपियनशिप में तीन पदक जीतने वाले वह पहले भारतीय राइडर बन गए हैं। इससे पहले उन्होंने एक किलोमीटर टाइम ट्रायल और टीम स्प्रिंट में कांस्य पदक जीते थे। भारत ने इस चैंपियनशिप में कुल दो स्वर्ण सहित 23 पदक जीते। दोनों स्वर्ण पैरा राइडर ज्योति ने जीते, जबकि सीनियर वर्ग में भारत ने एक रजत और 8 कांस्य पदक जीते। यह एशियाई चैंपियनशिप में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

दिमाग में था स्वर्ण - रोनाल्डो

रजत पदक जीतने के बाद रोनाल्डो सिंह ने कहा कि उनके दिमाग में स्वर्ण पदक था। हालांकि रजत पदक जीतकर भी वह खुश हैं। बुधवार को जीवन के 20 साल पूरे करने वाले रोनाल्डो सिंह ने कहा कि यह उनके जीवन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने कहा कि हर टूर्नामेंट से उनके प्रदर्शन में निखार आ रहा है। यह महत्वपूर्ण है। स्प्रिंट इवेंट में जापान के अनुभवी राइडर केंटो यामासाकी ने स्वर्ण जीता। बिरजित युमनाम ने जीता कांस्य = भारत के जूनियर साइकलिस्ट बिरजित युमनाम ने 15 किलोमीनटर प्वाइंट रेस में 23 प्वाइंट के साथ कांस्य पदक जीता। उज्बेकित्सान के फारुख बोबोशेरोव ने स्वर्ण जीता। कांस्य जीतकर चयानिका गोगोई ने किया प्रभावित = स्पर्धा के अंतिम दिन सबसे ज्यादा प्रभावित भारत की 19 वर्षीय चयानिका गोगोई ने किया। उन्होंने महिलाओं की 10 किलोमीटर स्क्रैच रेस के फाइनल में पदक की दावेदार कजाखस्तान की रिनाता सुल्तानोवा को पीछे छोड़ते हुए कांस्य पदक जीता। जापान की यूरी किम ने स्वर्ण जीता।

23 पदक के साथ पांचवें स्थान पर रहा भारत

एशियाई साइकलिंग चैंपियनशिप के जूनियर, सीनियर और पैरा वर्ग में भारत दो स्वर्ण, 6 रजत और 15 कांस्य पदक जीते। कुल 23 पदकों के साथ भारत पांचवें स्थान पर रहा। चैंपियनशिप में 18 स्वर्ण, 7 रजत और 2 कांस्य पदक जीतकर जापान पहले स्थान पर रहा।

मुंबई एजेंसी। इन दिनों साउथ फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर बोलबाला है। बीते कुछ महीनों में 'पुष्पा', 'केजीएफ चैप्टर 2' और 'आरआरआर' जैसी साउथ फिल्में रिलीज हुईं, जिनकी कमाई ने बॉक्स ऑफिस पर झंडे गाड़ दिए थे। ऐसे में साउथ कलाकारों की लोकप्रियता भी हिंदी पट्टी के दर्शकों के बीच बढ़ गई है। यश, राम चरण, अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना समेत कई साउथ स्टार्स से जुड़ी हर अपडेट फैंस पाना चाहते हैं। फैंस इन कलाकारों के शांत स्वभाव को भी खूब पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई बार ये कलाकार भी अपने बयानों की वजह से ट्रोलिंग का शिकार हो चुके हैं। एक बार अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने यश के लिए कुछ ऐसा कह दिया था, जिस वजह से उन्हें सामने आकर माफी तक मांगनी पड़ गई थी। आइए आपको इसके बारे में बताते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2017 में रश्मिका मंदाना ने एक इंटरव्यू दिया था। इस इंटरव्यू के दौरान ही अभिनेत्री के साथ रैपिड फायर गेम खेला गया, जिसमें रश्मिका से कई मजेदार सवाल किए गए। इसी दौरान रश्मिका से कन्नड़ फिल्मों से जुड़े एक सवाल पर यश के लिए कुछ ऐसा कह दिया था, जिस वजह से उन्हें रॉकी भाई के फैंस का गुस्सा झेलना पड़ा था। रश्मिका मंदाना से पूछा गया कि उनके हिसाब से कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में मिस्टर शोऑफ कौन है? इस सवाल पर एक्ट्रेस ने तपाक से यश का नाम ले लिया, जिसके बाद ही वह यश के फैंस के निशाने पर आ गई थीं। यश के फैंस ने रश्मिका मंदाना को खूब ट्रोल किया। सोशल मीडिया पर उन्हें खूब खरी खोटी सुनाई गई, जिसके बाद रश्मिका को आगे आकर माफी तक मांगनी पड़ गई थी। रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा था, जिसमें उन्होंने लिखा था, 'मेरा यश सर या किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का उद्देश्य नहीं था। मैंने कई मौकों पर उनकी प्रशांसा की है। लेकिन इस बात को मीडिया ने नजरअंदाज कर दिया कि मैंने उस समय संथु स्ट्रेट फॉरवर्ड की बात की थी, जिसमें मुझे सबसे ज्यादा मजा आया था। जब आप शो के सबसे नॉन सीरीयस हिस्से से केवल दो लाइन को एडिट करते और घूमाते हैं, तब पूरा सार यानी कंटेक्स्ट खो जाता है। यह वाकई दुखद है।' रश्मिका मंदाना ने अपने पोस्ट में आगे ये भी लिखा था, 'वो

मुश्किलों में आ गई थीं रश्मिका मंदाना

मेरी तरफ से कोई बयान नहीं दिया गया था। वो सिर्फ गेम का एक हिस्सा था। मैं इस बात का सपने में भी अंदाजा नहीं लगा सकती हूं कि मेरी प्रशंसा और मेरे द्वारा उनके बारे में किए गए सभी सकारात्मक चीजों को नजरअंदाज करके सिर्फ इस छोटी सी बात को उठाया जाएगा। अगर मैंने आपकी किसी भावना को ठेस पहुंचाया है तो मुझे उसका खेद है। मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था। मैं सभी से अपील करती हूं कि मेरे पुराने इंटरव्यू और फेसबुक पोस्ट को देखें, जहां मैंने यश सर के काम ही हमेशा तारीफ की है।'

पिता लड़ रहे रूस से युद्ध बेटे ने यूक्रेन को दिलाया पदक

मुंबई एजेंसी। यूक्रेन के तैराक मिखाइल रोमानचुक ने विश्व तैराकी में जब 800 मीटर फ्रीस्टाइल का कांस्य पदक जीता तो उन्हें यह नहीं मालूम था कि उनके पिता ने उन्हें पदक जीतते देखा भी या नहीं। उनके पिता पूर्वी यूक्रेन में अपने शहर को रूसी कब्जे से बचाने के लिए उसके खिलाफ कई दिनों से युद्ध लड़ रहे हैं। पदक जीतने के बाद रोमानचुक ने कहा कि वह अपने पिता से बात करने की हिम्मत भी नहीं जुटा पाते हैं। उन्हें डर है कि अगर वह अपने पिता से फोन पर बात करेंगे तो रूसी उनके फोन कॉल के जरिए उन्हें ढूंढ निकालेंगे। पिता उन्हें रोजाना सुबह उन्हें संदेश भेजते हैं कि वह ठीक हैं। इससे उन्हें पता लग जाता है कि वह जीवित हैं। वह इस वक्त यूक्रेन के बुरी तरह गहराए युद्ध ग्रस्त क्षेत्र में हैं।

ठाना तैराकी से दिखाएंगे यूक्रेनी कमजोर नहीं

25 वर्षीय रोमानचुक ने कहा कि 24 फरवरी को रूस ने जब उनके देश पर आक्रमण किया तो वह सीधे युद्ध में जाना चाहते थे। 10 दिन उनकी पत्नी और परिवार के लिए बड़े पीड़ादायक रहे। इसके बाद उन्होंने सोचा कि अगर वह बंदूक नहीं उठा सकते हैं तो अपने खेल से दिखा सकते हैं कि यूक्रेन के लोग कमजोर नहीं हैं। इसके बाद उन्होंने तैराकी की तैयारियां शुरु कर दीं।

जर्मनी के तैराक ने की मदद

टोक्यो ओलंपिक में 1500 मीटर का रजत पदक जीतने वाले 25 वर्षीय रोमानचुक ने कहा कि रूस ने जब यूक्रेन पर आक्रमण किया तो उनके लिए तैराकी का प्रशिक्षण हासिल करना संभव नहीं था। युद्ध से सारी सुविधाएं नष्ट हो गई थीं। इसके बाद जर्मनी के तैराक फ्लोरियन वेलब्रोक ने रोमानचुक को सहारा दिया और अपने यहां बुलाकर प्रशिक्षण के लिए उनकी मदद की। वेलब्रोक ने विश्व तैराकी के 800 मीटर फ्री स्टाइल में रजत पदक जीता। स्वर्ण पदक अमेरिका के बॉबी फिनके ने जीता। रोमानचुक स्वर्ण पदक विजेता फिनके से सिर्फ 0.69 सेकेंड पीछे रहे।

ओलंपिक चैंपियन रूसी से दोस्ती दुश्मनी में बदली

पदक जीतने के बाद रोमानचुक ने कहा कि स्पर्धा में तीसरे स्थान पर आने से उनको गर्व और निराशा दोनों हो रही हैं। उन्होंने कहा कि इससे साबित हो गया है कि यूक्रेन के लोग अंत तक लड़ते हैं। परिणाम कुछ भी हो। विश्व चैंपियनशिप में रूस और बेलारूस के तैराकों पर हिस्सा लेने पर प्रतिबंध लगा है। रोमानुचक ने कहा कि यदि वे यहां होते तो उनकी प्रतिक्रिया शायद आक्रामक होती। रोमानचुक ने कहा कि बैकस्ट्रोक में ओलंपिक चैंपियन येवगेनी रिलोव ने युद्ध के समर्थन में मास्को में रैली निकाली थी। रोमानचुक ने कहा कि युद्ध के समर्थन में रिलोव के रैली निकालने पर उन्हें बेहद गुस्सा आया, क्यों कि रिलोव उनके दोस्त थे। अब दोस्ती दुश्मनी में बदल गई है। उन्होंने कहा कि रूस ने उनके लोगों को मार दिया। इससे तैराकी पर ध्यान केंद्रित करना काफी कठिन था। जर्मनी गया तो वहां भी युद्ध के विचार मन में आते थे। तीन-चार घंटे ही सो पाते थे। शुरुआत में यह काफी कठिन था। बाद में तय किया कि देश के लिए तैरकर पदक जीतना है। रोमानचुक ने कहा कि उन्हें यूक्रेन के लोगों पर गर्व है। वह यूक्रेन का नागरिक होने पर गर्व महसूस करते हैं।

ऐसी भाषा में बोलना पसंद नहीं जिसमें...

क्षेत्रीय फिल्में नहीं करना चाहते पंकज त्रिपाठी

मुंबई एजेंसी। मनोरंजन जगत में बीते कुछ समय से भाषा को लेकर विवाद चल रहा है। बॉलीवुड और साउथ सिनेमा में भाषा विवाद को लेकर कई सितारों में अपनी राय रखी है। जहां कुछ सितारे बॉलीवुड और साउथ को एक मान रहे हैं, तो कुछ ऐसे भी हैं जो अपनी ही भाषा की फिल्मों में काम करना चाहते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान पंकज त्रिपाठी ने कहा कि वह कभी भी क्षेत्रीय फिल्में नहीं करेंगे, क्योंकि वह उसमें सहज महसूस नहीं करते। दरअसल, पंकज त्रिपाठी इन दिनों अपनी फिल्म शेरदिल: द पीली भीत सागा के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। इसी बीच एक इंटरव्यू के दौरान पंकज त्रिपाठी ने कहा कि उन्हें किसी ऐसी भाषा में फिल्म या शो में काम करने का विचार पसंद नहीं है, जिसमें वह सजह नहीं हैं। साथ ही वह अपनी आवाज को किसी अन्य अभिनेता द्वारा डब किए जाने के भी पक्ष में नहीं हैं। पंकज त्रिपाठी ने कहा, मुझे ऐसी भाषा में बोलने का विचार पसंद नहीं है, जिसमें मैं किसी भी फिल्म या वेब सीरीज में सहज महसूस नहीं करता हूं। कोई दूसरा मेरे डायलॉग बोले, मैं इसके पक्ष में नहीं हूं। मेरा अभिनय और भाव मेरी आवाज के पूरक हैं। इनके बिना मेरा अभिनय अधूरा है।% जब पंकज त्रिपाठी से पूछा गया कि क्या वह कभी बंगाली फिल्म में काम करेंगे? इस पर उन्होंने कहा, %मैं थोड़ी बहुत बंगाली जानता हूं और पूरी तरह से समझता हूं लेकिन ज्यादा नहीं बोल सकता। लेकिन ये एक बंगाली किरदार निभाने के लिए पूरा नहीं है। अगर बंगाली फिल्म में मुझे हिंदी बोलने वाले किरदार की तरह ही लिया जाए, तो उस फिल्म को जरूर करना पसंद करूंगा। पंकज त्रिपाठी के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी फिल्म %शेरदिल- द पीलीभीत सागा% 24 जून को रिलीज हो रही है। यह फिल्म पीलीभीत टाइगर रिजर्व की सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। इस फिल्म का निर्देशन श्रीजीत मुखर्जी ने किया है। वहीं, इसके अलावा वह जल्द ही %मिर्जापुर 3% वेब सीरीज की शूटिंग भी शुरू करेंगे।

जबलपुर कलेक्टर की अपील

लोभ-प्रलोभन में न आए मतदान करने जरूर जाएं

जबलपुर, यशभारत। अपना वोट जरुर डालें, किसी के लोभ-प्रलोभ में ना आएं जबलपुर। त्रि-स्तरीय पंचायतराज चुनाव के लिए पहले चरण का 25 जून और दूसरे चरण का 1 जुलाई को मतदान के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने सभी नागरिकों से आवश्यक रुप से मतदान करने अपील की है। कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने कहा है कि 25 जून को जबलपुर ब्लॉक सहित कुंडम, सिहोरा और पनागर में सुबह 7 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक मतदान होगा। दूसरे चरण का मतदान 1 जुलाई को पाटन, शहपुरा और मझौली ब्लॉक में किया जाएगा। कलेक्टर ने ग्रामीण अंचल के सभी मतदाताओं से मतदान करने अपील करते हुए कहा है कि बिना किसी लोभ-प्रलोभ के निष्पक्ष रुप से मतदान कर लोकतंत्र के इस महोत्सव में मतदाता अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

पत्नी के चरित्र पर तंज कसने पर जीजा ने साले को उतारा मौत के घाट

खाई से फेंक दिया था शव

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर के नाबालिग की मांडू से मिली लाश के बाद गढ़ा पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए मृतक के जीजा और उसके साथी को दबोच लिया है। पकड़े गए जीजा ने बताया कि उसका साला, अपनी बहन के प्रेम विवाह करने की बात पर, चरित्र को लेकर तंज कसता था। जो उसे बर्दाश्त नहीं हुआ। जिसके बाद उसने पूरी योजना बनाकर साले को खाई से नीचे फेंक दिया था। लेकिन सास की रिपोर्ट के बाद गढ़ा पुलिस ने सुराग लगाकर मामले का खुलासा कर दिया।

पुलिस ने जीजा और उसके साथी को दबोचा

जानकारी अनुसार 14 जून 22 को निर्मला मिश्रा पति संपत कुमार मिश्रा 43 वर्ष निवासी गढ़ा ने बताया था कि उनका 16 वर्षीय बेटा दुकान जाने को कहकर घर से 11 जून 22 को निकला था। बाद में इसे पता चला की इसका दमाद अभिषेक मिश्रा जबलपुर आया हुआ था और बेटे अतुल मिश्रा को बुलाकर बहला फुसला कर अपने साथ ले गया। दमाद अभिषेक मिश्रा पर संदेह जाहिर करने पर मामला पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

दामाद को हिरासत में लिया

मामले की बारीकी से पड़ताल करने एक टीम गठित की गई।जो लगातार मामले में सबूत जुटा रही थी। विवेचना में स्टेशन के आस पास के सीसीटीवी फूटेज खंगाले गये, संदेहियों से पूछताछ की गयी। साथ ही सायबर सेल जबलपुर द्वारा अभिषेक मिश्रा की लोकेशन ली गई तो पता चला कि अभिषेक मिश्रा भोपाल में है जिसकी पता साजी हेतु टीम गठित कर भोपाल रवाना की गई एवं अभिषेक मिश्रा के मिलने पर हिरासत में लेकर थाना गढा लाया गया।

बर्दाश्त नहीं हुए अपशब्द

बाद में सघन पूछताछ में अभिषेक मिश्रा ने बताया कि नाबालिग साला उसकी पत्नी खुशबू को उसके चरित्र को लेकर अपशब्द गंदे कमेंट करता था। जिसकी जानकारी खुशबू द्वारा देने पर उसने साले की हत्या करने का प्लान बनाया। जिसके बाद आरोपी जीजा ने सोची समझी योजना के तहत अपने साथी मयंक द्विवेदी के साथ मिलकर धार के काकडखेड़ा खाई में अपने साले को मार पीट कर 1000 फिट की ऊंचाई की खांई से फेंक दिया।

नाबालिग को कर दिया था दफन

जानकारी अनुसार नाबालिग का शव धार के मांडव थाना में मिला एवं अज्ञात मर्ग होने के कारण धार पुलिस द्वारा वहीं मर्ग कायम कर विधि पूर्वक दफन की कार्यवाही की गयी। पता साजी की गई जो पता चला की थाना मांडव जिला धार में मिलते जुलते हुलिये का अज्ञात मर्ग कायम कर जाँच में लिया गया है जिस पर संदेही के कथनों की तस्दीकी एवं थाना मांडव में मिले शव की शिनाख्तगी हेतु टीम गठित की गई।

मयंक के कमरे से मिला मृतक का सामान

परिजनों के साथ टीम थाना मांडव जिला धार रवाना की गई। जिसके बाद परिजनों ने शव के कपड़े और फोटो देखकर बालक को पहचान लिया। जिसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रकरणा के आरोपी मयंक द्विवेदी ग्राम रेवड, थाना पृथ्वीपुर से आरोपी को हिरासत में ले लिया। आरोपी ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि अभिषेक मिश्रा से उसके किराये के कमरे से मृतक अतुल मिश्रा का बैग जिसमें मृतक का इलेक्ट्रिक सामान तथा मार्कशीट थे एवं आरोपी मयंक द्विवेदी ने मृतक अतुल मिश्रा का स्टील का टिफिन और पर्स जिसमें मृतक का आधार कार्ड है, उनके किराये के कमरे बरादम किया गया। दोनों आरोपियों को पुलिस ने दबोच लिया।

जबलपुर लोकायुक्त की कार्रवाई

होमगार्ड उप निरीक्षक 10 हजार की रिश्वत लेते धराया

सैनिक का नामांकन रद्द करने की धमकी देकर मांग रहा था रिश्वत

जबलपुर, यशभारत। लोकायुक्त टीम जबलपुर ने आज गुरुवार को छिंदवाड़ा जिला होमगार्ड कार्यालय में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक प्रदीप कुमार शर्मा को 10,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए होमगार्ड कार्यालय के बाहर परिसर में रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी होमगार्ड सैनिक से नमांकन रद्द करने का दबाव डालकर रिश्वत की मांग कर रहा था। जिसके बाद पीड़ित सैनिक ने लोकायुक्त में शिकायत की। पूरी योजना के अनुसार लोकायुक्त ने रंग लगे हुए नोटों की गड्डियां लेते हुए आरोपी को दबोच लिया। जिससे पूछताछ जारी है। जानकारी अनुसार आरोपी सहायक उप निरीक्षक प्रदीप कुमार शर्मा, होमगार्ड सैनिक पंकज पवार से किट जमा करने एवं नामांकन रद्द कराने की धमकी देकर रिश्वत की मांग कर रहा था। प्रार्थी 2 साल से अपनी पदस्थापना पर उपस्थित नहीं था हाल ही में 3 माह पहले जॉइनिंग की थी। ट्रैप दल में उप पुलिस अधीक्षक दिलीप झरबड़े, निरीक्षक स्वप्निल दास, निरीक्षक भूपेंद्र दीवान एवं ट्रैप दल के अन्य सदस्य शामिल थे।

पनागर हाइवे में युवक को तेलंगाना कार सवार ने कुचला

सिर और पीठ एक सीध पर आए, घटना स्थल पर मौत

जबलपुर, यशभारत। पनागर हाईवे पर देर रात 2 बजे स्कूटी सवार युवक को तेलंगाना कार के चालक ने कुचल दिया। घटना में युवक का सिर और पीठ एक सीध पर आ गए थे। जिसके बाद कुछ ही क्षण में युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर, आरोपियों को दबोचकर कार को जब्त कर लिया है। थाना प्रभारी आरके सोनी ने बताया कि देर रात हाइवे में सड़क दुर्घटना होने की सूचना पर पहुंचे गश्ती दल को कार की टक्कर से युवक का रोड पर पड़ा हुआ शव मिला। मौके पर कार चालक और अन्य राहगीर भी मौजूद थे। पतासाजी में युवक की शिनाख्त अमित विश्वकर्मा 28 वर्ष के रुप में हुई है, जो दीक्षितपुरा का निवासी है और रिश्तेदारी में स्कूटी से जा रहा था। वहीं उसके साथी घायल बताए जा रहे है। पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी है।

यदि आप नौकरी पाना चाहते हैं

अपने कौशल के साथ दिये गये मोबाइल नंबर पर संपर्क करें
9009985689, 9131406684
योग्यता कम से कम 12 वीं पास उम्र 18 से 27 वर्ष

बेटे के शव से लिपटकर रोते हुए मां ने कहा- मेरे लाडले को उठाओ, खाना खिलाना है.....

जबलपुर, यशभारत। माढोताल थाना अंतर्गत ग्राम सूखा में एक युवक ने फ ांसी लगाकर मौत को गले लगा लिया। लाडले को फांसी पर लटका हुआ देखकर परिजन बदहवाश हो गए और बार-बार लाडले को उठाकर खाना खिलाने की जिद करने लगे। इस वीभत्स दृश्य को देखने के बाद थोड़ी देर के लिए पुलिस कर्मियों की आंखे भी नम हो गयी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।जानकारी अनुसार रंजीत अहिरवार उम्र 20 वर्ष हवा घर चौधरी मोहल्ला निवासी ने फ ांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक पेशे से बेलदार था और रोज किसी ठेकेदार के यहां काम करने जाता था। युवक ने रात में खाना खाने के बाद अपने कमरे में चला गया लेकिन सुबह उसकी फंदे में लटकी हुई लाश मिली। जिसकी सूचना मोहल्लेवालों ने पुलिस को दी। फिलहाल मृतक के पास कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस मामले की बारीकी से पड़ताल करने में जुटी है।

कृषि विज्ञान केन्द्र में मिलकर मनाया योग दिवस

जबलपुर,यशभारत। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.) द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई कृषि महाविद्यालय, जबलपुर के छात्र/छात्राओं तथा जबलपुर जिले के विभिन्न गांवों से पधारे किसान भाईयों व केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा एक साथ मिलकर 8वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग तथा प्राणायाम की महत्ता व जीवन में इसकी उपयोगिता विषय पर परिचर्चा के आयोजन के साथ योग शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमें योग के विभिन्न पहलुओं पर जागरूकता लाने के साथ-साथ योग के महत्व को भी बताया गया। साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों के साथ योग अभ्यास भी किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार की प्रेरणा तथा संचालक विस्तार सेवायें डॉ. डी.पी. शर्मा ी के निर्देशानुसार व कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. डी.के. सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान किसान, वैज्ञानिक, छात्र/छात्राओं ने योग व विज्ञान की महत्ता तथा ध्यान व प्राणायाम का जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को जाना तथा इससे आने वाली चुनौतियों का सामना कैसे करें इसका अभ्यास योग व प्राणायाम करके किया। कार्यक्रम का आयोजन जय जवान-जय किसान-जय विज्ञान की परिकल्पना पर आधारित थी इसलिए किसान, छात्र/छात्राओं व वैज्ञानिकों के साथ मिलकर किया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर के वैज्ञानिक डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. यतिराज खरे, डॉ. नीलू विश्वकर्मा, डॉ. अक्षता तोमर, डॉ. निहारिका शुक्ला, डॉ. पूजा चतुर्वेदी एवं डॉ. नेहा शर्मा आदि उपस्थित रहकर परिचर्चा में भाग लिया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित आतिथि के रूप में डॉ. एस.बी. अग्रवाल ने सभी को सम्बोधित करते हुए योग की महत्ता को समझाया तथा योग व कृषि संस्कृति को भारत की परम्परा का हिस्सा माना।

आम सूचना

मैं अपनी पक्षकार कंपनी की ओर से पूर्णरूप से अधिकृत होकर आम जनता को यह सूचित करता हूं कि मेरी पक्षकार कंपनी द्वारा जय कुमार विश्नोई को अचल सम्पत्ति जो कि मौजा सिहोरा पहनं 6, रानिम खितौला, वार्ड क्र 13, मालवीय वार्ड पुराना ख नं 1578/1, नया ख नं 1578/194, कुल प्लाट रकवा 360 व फ तथा पुराना ख नं 1578/8 नया ख नं 1578/205 कुल रकवा 800 वफु इस तरह कुल प्लाट रकवा 360+800=1160 व फ तहसील सिहोरा जिला जबलपुर में स्थित सम्पत्ति को बंधक रख कर ऋण सुविधा देना प्रस्तावित है सम्पत्ति स्वामी जय कुमार विश्नोई द्वारा सम्पत्ति को रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 11.11.2020 क्रमांक एमपी 182562020ए1751798 के द्वारा विक्रेता अनिल कुमार विश्वकर्मा से क्रय किया गया था तथा वर्तमान में जय कुमार विश्नोई सम्पत्ति के मालिक व काबिज है सम्पत्ति से संबंधित मूल मुख्यारनामा दिनांक 8.1.2013 दस्तावेज क्रमांक 163 जो कि संजय राय के नाम पर हैं कहीं गुम हो चुका है तथा सम्पत्ति से संबंधित मूल लिंक विक्रय पत्र दिनांक 7.2.2013 दस्तावेज क्र 2418 जो कि संजय राय के नाम पर हैं कहीं गुम हो चुका है तथा बहुत खोजने पर उपरोक्त दोनों मूल दस्तावेज प्राप्त नहीं हो रहे हैं। उपरोक्त मूल दस्तावेजों का दुरुपयोग रोकने हेतु इस सूचना पत्र के मायम से सभी व्यक्ति एवं संस्थाओं को यह सूचित किया जाता है कि जो कोई भी उपरोक्त गुम हुए मूल मुख्यारनामा दिनांक 8.1.2013 तथा विक्रय पत्र दिनांक 7.2.13 से हितबद्ध है तथा जिन व्यक्ति एवं संस्थाओं को इस सूचना पत्र में वर्णित सम्पत्ति को बंधक रखकर जय कुमार विश्नोई को ऋण प्रदान करने में आपत्ति है प्रस्तावित ऋण संव्यवहार से आपत्ति है तो आज दिनांक से सात दिवस के अंदर अपनी आपत्ति मुझे मय दस्तावेजों के साथ सूचित करने का कष्ट करें। अन्यथा सात दिवस बीतने के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा जय कुमार विश्नोई को इस सूचना पत्र में वर्णित सम्पत्ति कर जय कुमार विश्नोई को ऋण सुविधा प्रदान कर दी जावेगी।

जबलपुर
दिनांक 22.6.2022

हर्षित पटेल
अधिवक्ता
मो. 9893333246

युवक को दबोचकर सिर में बत्ते से किया वार, खुल गया सिर

जबलपुर, यशभारत। पाटन के कटरा मोहल्ला में देर रात तीन आरोपियों ने युवक को दबोचकर जमकर मारपीट कर दी और जब युवक ने विरोध किया तो बत्ते से सिर में हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया। पीड़ित को तत्काल अस्पताल में भर्ती किया गया है, पुलिस ने शिकायत के बाद मामला दर्ज कर फरार आरोपियों को तलाश करने में जुटी है। जानकारी अनुसार राहुल विश्वकर्मा निवासी कटरा मोहल्ला ने बताया कि बड़ा भाई सचिन छोटा हाथी खड़ा करके घर जा रहा था चंडी माई के पास मनीष कडेरे, सत्यम कडेरे एवं सूरज विश्वकर्मा खड़े थे जो तीनों भाई सचिन के देखकर गाली गलौज करने लगे, वह घर से बाहर निकलकर आया तो तीनों बड़े भाई सचिन के साथ गाली गलौज कर रहे थे, सचिन ने तीनों को गालियां देने से मना किया तो सत्यम कडेरे ने हाथ मुक्कों से तथा सूरज विश्वकर्मा एवं मनीष कडेरे ने लकड़ी के बत्ते से हमलाकर बड़े भाई सचिन का सिर लहूलुहान कर दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

प्रौढ़ शिक्षिका के साथ ज्यादती

प्रेम के जाल में फांसकर युवक करता रहा शोषण, पति से हो चुका है डिवॉर्स

जबलपुर, यशभारत। ओमती में एक प्रौढ़ शिक्षिका के साथ बलात्कार का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। पति के छोड़ने के बाद आरोपी युवक ने महिला से नजदीकियां बढ़ाई और फिर उसका लगातार शारीरिक शोषण करता रहा। लेकिन जैसे ही महिला ने विवाह करने का दबाव डाला तो आरोपी ने पीड़िता को पहचानने से भी इंकार कर दिया। जिसके बाद रोते हुए थाने पहुंची शिक्षिका की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर, आरोपी की तलाश में जुटी है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने वाली 42 वर्षीय शिक्षिका ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि कुछ समय पहले उसका पति से डिवॉर्स हो चुका है। जिसके बाद मोहल्ले में ही रहने वाले युवक ने उसे अपने प्रेम के जाल में फांस लिया और लगातार उसका शोषण करता रहा।

पशु तस्कर गिरोह के चार गुर्गों को पुलिस ने दबोचा

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर के परियट से रिजेक्ट भैंसों को ट्रक में लोड कर, पशु तस्कर मोटी कमाई के लालच में उत्तर प्रदेश ले जा रहे थे। जिसकी खबर गौ रक्षकों को लगी तो उन्होंने दमोह रोड में पहरा बैठा दिया और जैसे ही पशुओं से लोड तस्कर, वाहन लेकर गुजरे तो कार्यकर्ताओं ने उनका पीछा करना शुरु कर दिया। जैसे-तैसे उनसे पीछा छुड़ाकर भागे पशु तस्करों को सूचना के बाद कटंगी पुलिस ने धर दबोचा। जिनके कब्जे से 27 भैस मिली है, वहीं गिरोह के चार गुर्गों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिनसे पूछताछ जारी है। कटंगी पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि सूचना मिली कि पशुओं से लोडिड एक ट्रक तेजी के साथ आ रहा है। जिसके बाद मुस्तैद पुलिस ने ट्रक रोककर चालक मजहर हसन और उनके तीन साथी नूर आलम, शाह नवाज और मोसिन सभी मदारटेकरी निवासी को दबोच लिया।

उत्तर प्रदेश में मिलती है मोटी रकम

पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि उन्होंने परियट से डेरियों में घूम-घूमकर भैसों को खरीदा है। क्योंकि यह रिजेक्ट माल है। जिसे उत्तर प्रदेश में बेंच देते है, जहां से उन्हें मोटी रकम मिलती है। पुलिस आरोपियों के पूरे रैकेट तक पहुंचकर सख्ती के साथ पूछताछ कर रही है।

अनंत मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
"AIMS"
NABH ACCREDITED & ISO 900: 2015 CERTIFIED HOSPITAL
विगत 22 वर्षो से पीड़ित मानवता की सेवा में सेवारत
24 x 7
• न्यूरो सर्जरी • फैक्चर सर्जरी • गैस्ट्रो सर्जरी • बर्न सर्जरी
ट्रामा सेन्टर 24 घण्टे उपलब्ध
विद्यार्थियों एवं गुमराह करने वाले लोगों से सावधान
हॉस्पिटल से सीधा सम्पर्क करें, हमारे विशेषज्ञ आपकी बेहतर सेवा के लिए 24 घण्टे उपलब्ध हैं
मदन महल रेल्वे स्टेशन रोड, राईट टाउन, जबलपुर
फोन नं. 0761 - 4006484/ 96,7400779484,7400799494,7400809494,8234821556

दहेज में बाइक के लिए पत्नी को घर से निकाला

कहा- बिना बाइक के आई तो रिश्ता टूटा समझो, एफआईआर दर्ज

जबलपुर, यशभारत। पाटन के कोनीकला में बाइक के लिए पति और ससुराल पक्ष ने नवविवाहिता को धक्के मारकर घर से बाहर भगा दिया और अब घर में रखने के लिए बाइक की शर्त रख दी। जिसके बाद रोते हुए थाने पहुंची पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है। जानकारी अनुसार 22 वर्षीय महिला निवासी कोनीकला ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी 21 को ग्राम कोनीकला के शारदा चौधरी के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुयी थी शादी में उसके पिता ने गृहस्थी का सामान एवं सोने की अंगूठी नगद 71 हजार रूपये दिये थे। शादी के बाद से उसके पति आये दिन मारपीट करने लगे, सास रेखा बाई ताने मारती है कि पिता ने दहेज में कुछ सामान नहीं दिया है अपने पिता के घर से और सामान लेकर आओ, मायके वालों एवं रिश्तेदारों ने ससुराल वालों को कई बार समझाया लेकिन ससुराल वालों में कोई सुधार नही हुआ और आये दिन दहेज मे बाइक की मांग करते हुये उसे शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं।

माँ शक्ति
एकवा आरो सिस्टम
सभी प्रकार के आरो सैल्स एवं सर्विस के लिए सम्पर्क करें :
मो.- 9074629210
अब आपने RO की सर्विसिंग कराएं वो भी बिल्कुल फ्री
पता- शंकर नगर करमेता, जबलपुर

R.O. WATER बर्फ से निर्मित
आईस बर्फ गोला
नीबू सोडा, शिकंजी, मसाला छाछ, लस्सी, आईसक्रीम, कोल्ड काफी, मिल्क शेक
सांची कूल जोंन
एकता चौक विजय नगर, मो. 7974758785

त्रिभुवनदास मालपाणी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मिलौनीगंज, जबलपुर
Nursery to Class XII (English & Hindi Medium)
विद्यालय की विशेषताएं
- छात्र/छात्राओं के अध्ययन के लिए प्रोजेक्टर प्रत्येक कक्षा में, अनुभवी शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य।
- छात्र/छात्राओं के लिये भौतिक/रसायन/जीव विज्ञान/आईपी कम्प्यूटर प्रयोग शाला, अटल टिंकरिंग लैब।
- छात्र/छात्राओं के लिये कक्षाओं की सुविधा
- विद्यालय द्वारा नेशनल स्तर तक जूडो के खिलाड़ी ने स्वर्ण प्राप्त किये।
- बोर्ड कक्षाओं का शत- प्रतिशत परीक्षाफल।
- खेलकूद में छात्र/छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति सुविधा 10000/-, 8000/-6000/- प्रतिवर्ष
- अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों हेतु शासन द्वारा छात्रवृत्ति सुविधा।

प्रवेश प्रारंभ 2022-23
प्रात:पाली 7.30 से 12.00 पहली से 12वीं अंग्रेजी माध्यम
दोपहर पाली 12.20 से 5.10 6वीं से 12वीं हिन्दी माध्यम
संपर्क 9009505955,0761-4016415

संपादकीय

प्रतीक और प्रतिनिधित्व

भारत में प्रतीक और प्रतिनिधित्व की सियासत तो आजादी के ठीक बाद से ही शुरू हो गई थी, लेकिन 1990 के दशक में आकर यही मुख्यधारा बन गई। नतीजा हुआ कि गरीब-अमीर के अर्थ में मुद्दों को देखने का चलन बेहद कमजोर हो गया। तब दलित-पिछड़ी जातियों और अल्पसंख्यक समुदायों को भी प्रतीकात्मक रूप से प्रतिनिधित्व देने की मांग जोर-शोर से उठने लगी और धीरे-धीरे वामपंथी दलों समेत सभी पार्टियों ने इसी व्याकरण को वास्तविक राजनीति समझ लिया। अब यह कहा जा सकता है कि इस नई बनी या बनाई गई परिस्थिति को समझने और उसे अपने अनुकूल ढालने में भारतीय जनता पार्टी/ आरएसएस सबसे कुशल साबित हुए। उन्होंने इसे सोशल इंजीनियरिंग कहा। ये परिघटना इस तरह आगे बढ़ी कि आरएसएस ने व्यापक हिंदुत्व अस्मिता को इस तरह ढाला जिसमें हिंदू समुदाय के अंदर आने वाली तमाम जातियों और जन जातियां समाहित होती चली गईं। अल्पसंख्यक अस्मिताओं को ढालने की उसे जरूरत नहीं थी, क्योंकि उन अस्मिताओं को 'शत्रु' के रूप में पेश कर ही उसने बाकी व्यापक हिंदू पहचान को आगे बढ़ाया था। तो आज भाजपा यह दावा करने की स्थिति में है, उसने दलित-आदिवासी-ओबीसी को सर्वाधिक प्रतिनिधित्व दिया है। एक आदिवासी महिला- द्रौपदी मूर्मू को राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बना कर उसने अपने इस दावे को और पुष्ट किया है। इसके पहले वह दलित पहचान के आधार पर देश में राष्ट्रपति बना ही चुकी है। अब ये आलोचना दीगर है कि ये प्रतिनिधित्व महज प्रतीकात्मक हैं। किसी समुदाय के विशेष के व्यक्ति को ऊंचे पद पर बैठा देने का यह कतई मतलब नहीं होता है कि उस समुदाय का सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण भी हो रहा हो। अब तक के अनुभव के आधार पर यह बेहिचक कही जा सकती है। वैसे कहा यह भी जा सकता है कि प्रतीक और जातीय/ सामुदायिक प्रतिनिधित्व की राजनीति का असल मकसद भी यही होता है। ये सियासत विकास और वर्गीय समानता के प्रश्न को हाशिये पर धकेल देती है। यही भारत में भी हुआ है। जाहिर है, प्रतीकात्मक प्रतिनधित्व की समर्थक शक्तियों के लिए ये अच्छी खबर है।

जनता आगे, पार्टियां पीछे

पिछले पांच साल के चार जन आंदोलनों को याद कीजिए। 2018 में अनुसूचित जाति- जन जाति कानून को ढीला बनाने के मुद्दे पर दलित समुदाय के लोगों सड़कों पर उतरे और बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ की। 2019 में नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन हुआ। 2020 में किसानों ने मोर्चा संभाला, जो साल भर चलता रहा। अब 2022 में सरकार की अग्निपथ योजना के खिलाफ नौजवानों ने अपना गुस्सा सड़कों पर आकर उतारा है। इन सभी आंदोलनों में एक आम पहलू यह है कि इन्हें संयोजित, संचालित और उन्हें नेतृत्व देने में राजनीतिक दलों की कोई भूमिका नहीं रही। विपक्ष दल तब सक्रिय हुए, जब आंदोलन भड़क चुका था। तब भी उन दलों की भूमिका आंदोलन को समर्थन देने और उसके बहाने नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधने के अलावा और कुछ नहीं रही। लेकिन अपने-अपने कारणों से सड़क उतरने जन समूहों ने उसे ज्यादा तव्वजो नहीं दी। बल्कि किसान आंदोलन ने तो यह साफ नीति घोषित कर रखी थी कि उसके मंच पर किसी राजनेता को आने का मौका नहीं दिया जाएगा।इस अनुभव के आधार पर यह साफ कहा जा सकता है कि जनता के रोजमर्रा के संघर्षों से राजनीतिक दलों का अब कोई नाता नहीं बचा है। भारतीय जनता पार्टी का भी नहीं। इसलिए कि एससी-एसटी ऐक्ट संबंधित मामले को छोड़ कर ये तमाम आंदोलन उसकी सरकार के फैसलों के विरोध में ही हुए। इनमें कई ऐसे तबकों ने हिस्सा लिया, तो अभी भी इस पार्टी का वोट बैंक बने हुए हैं। लेकिन वे उसे वोट इसलिए नहीं देते कि उन्हें भाजपा सरकार से अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में किसी बेहतरी की उम्मीद बची है। बल्कि उसकी वजह भावनात्मक- या कहें समाज में सुनियोजित ढंग से एक समुदाय विशेष के खिलाफ फैलाई गई द्वेष की भावना है। ये भावना उन मौकों पर पीछे छूट जाती है- जब संबंधित समुदाय को अपना भविष्य खतरे में दिखने लगता है। तो कुल सूरत यह है कि पक्ष हो या विपक्ष- जनता के रोजमर्रा के संघर्षों की कसौटी पर वे अप्रासंगिक होते जा रहे हैं। यह

भारतीय कृषि सब्सिडी से अमेरिका समेत अन्य विकसित देश नाराज

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की 12 से 15 जून 2022 तक जेनेवा में हुई तीन दिनी बैठक में अमेरिका और अन्य विकसित यूरोपीय देषों ने भारतीय किसानों को दी जाने वाली कृषि अनुवृत्ति (सब्सिडी) का जबरदस्त विरोध किया है। ये देष चाहते हैं कि किसानों को जो सालाना छह हजार रुपए की आर्थिक मदद और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाज खरीदनें की सुविधा दी जा रही है, भारत उसे तत्काल बंद करे। यही नहीं राश्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत देषभर के 81 करोड़ लोगों को 2 रुपए किलो गेहूं और 3 रुपए किलो चावल मिलते हैं, उस पर भी आपत्ति जताई है। देश की करीब 67 फीसदी आबादी को रियायती दर पर अनाज मिलता है।

मसलन करीब 81 करोड़ लोगों को यह सुविधा उपलब्ध है। इस कल्याणकारी योजना पर 1 लाख 40 हजार करोड़ रुपए का खर्च सब्सिडी के रूप में प्रति वर्ष होता है। परंतु भारत ने अपने किसान और गरीब आबादी के हितों से समझौता करने से साफ इंकार कर दिया। दरअसल जेनेवा में चली इस बैठक के पहले ही अमेरिका के 28 सांसदों ने राष्ट्रपति जो बाइडेन को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि भारत डब्ल्यूटीओ के तय नियमों का खुला उल्लंघन कर रहा है। नियमानुसार अनाजों के उत्पादन मूल्य पर 10 प्रतिशत से ज्यादा सब्सिडी नहीं दी जा सकती है। जबकि भारत इससे कई गुना ज्यादा सब्सिडी देता है। इसलिए भारत पर अंतरराष्ट्रीय मानकों से ज्यादा सब्सिडी देने के आरोपों के तहत डब्ल्यूटीओ में मुकदमा दर्ज कराना चाहिए।

164 सदस्यीय देशों वाले डब्लूटीओ के जी-33 समूह के 47 देशों के मंत्रियों ने इस सम्मेलन में हिस्सा लिया, जिसमें भारत की ओर से केंद्रीय मंत्री पीयूश गोयल ने भागीदारी की थी। इस बैठक में तीन महत्वपूर्ण मुद्रदों पर प्रस्ताव लाने की तैयारी की गई। एक, कृषि सब्सिडी खत्म करना, दो मछली पकढ़ने पर अंतरराष्ट्रीय कानून बनाना और तीन कोविड वैक्सीन पेटेंट के लिए नए नियम तैयार करना। अमेरिका, यूरोप और दूसरे ताकतवर देष इन तीनों ही मुद्दों पर लाए जाने वाले प्रस्ताव के समर्थन में थे, जबकि भारत ने इन तीनों ही प्रस्तावों का दृढ़ता के साथ विरोध किया और देष के किसानों को दी जाने वाली सब्सिडी को बंद करने के सिलसिले में विकसित देषों को अंगूठा दिखा दिया। इस मामले में भारत को चीन समेत अस्सी देषों का साथ मिला है, नतीजतन विकसित देश नाराज तो हैं, किंतु भारत से आंख मिलाने की हिम्मत नहीं कर पा रहे हैं। विकसित देशों की कृषि सब्सिडी संबंधी नीतियां दोगली हैं। भारत और केन्या, जहां कृषि पर केवल 451 और 206 डॉलर की सब्सिडी किसानों को देते हैं, वहीं स्विट्जरलैंड, कनाडा, अमेरिका और चीन क्रमश: 37,952, 26,850, 24,714 और 1208 डॉलर की सब्सिडी अपने किसानों को देते हैं। बावजूद पश्चिमी देशों का भारत द्वारा किसानों को दी जाने वाली सब्सिडी पर ऐतराज किसलिए ?

दरअसल इन देशों का मानना है कि सब्सिडी की वजह से ही भारतीय किसान चावल और गेहूं का भरपूर उत्पादन करने में सक्षम हुए हैं। इसी का परिणाम है कि भारत गेहूं व चावल के निर्यात में अग्रणी देश बन गया है। भारत में वर्ष 2021-22 में कुल खाद्यान्न 316.06 मिलियन टन पैदा हुए हैं। इनमें चावल 127.93 और गेहूं 111.32 मिलियन टन का रिकार्ड उत्पादन हुआ है। नतीजतन चालू वित्त वर्ष 2022-23 तक भारत करीब 45 लाख मीट्रिक टन गेहूं का निर्यात कर देगा। जबकि अमेरिकी कृषि विभाग की रिपोर्ट के अनुसार जुलाई 2021 से जून 2022 तक 12 महीनों में भारत से गेहूं का निर्यात करीब 10 मिलियन मीट्रिक टन हुआ है। बांग्लादेश भारतीय गेहूं सबसे ज्यादा मात्रा में खरीदता है। श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, फिलीपींस और नेपाल के अलावा 68 देश भारत से गेहूं आयात करते हैं। भारत दुनिया के कुल 150 देशों को चावल का निर्यात करता है। वित्त वर्ष 2021-22 के पहले सात महीनों में भारत से चावल का 33 प्रतिशत निर्यात बढ़ा है। इस दौरान 150 देशों को 11.79 मिलियन टन हो चुका है। चालू वित्त वर्ष 2022-23 में 20 मिलियन टन चावल के निर्यात हो जाने की उम्मीद है। यहां किसी भी देश के राष्ट्र की प्रतिबद्धता विश्व व्यापार से कहीं ज्यादा देश के किसान, गरीब व वंचित तबकों की खाद्य उत्पादन और सुरक्षा के प्रति ही होनी चाहिए। लिहाजा नरेंद्र मोदी 2014 में प्रधानमंत्री बनने के समय से ही किसानों के हित में खड़े दिखाई दिए हैं। अतएव 2014 में इसी जेनेवा में डब्ल्यूटीओ के हुए सम्मेलन में नरेंद्र मोदी ने भागीदारी करते हुए 'समुचित व्यापार अनुबंध' ;टेऊ्ड फैलिसिटेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर नहीं किए थे। इस करार की सबसे महत्वपूर्ण शर्त थी कि संगठन का कोई भी सदस्य देश,अपने देश में पैदा होने वाले खाद्य पदार्थों के मूल्य का 10 फीसदी से ज्यादा अनुदान खाद्य सुरक्षा पर नहीं दे सकता है। जबकि भारत के साथ विडंबना है कि खाद्य सुरक्षा कानून के तहत देश की 67 फीसदी आबादी खाद्य सुरक्षा के दायरे में है। इसके लिए बतौर सब्सिडी जिस धनराशि की जरूरत पड़ती है, वह सकल फसल उत्पाद मूल्य के 10 फीसदी से कहीं ज्यादा बैठती है। जेनेवा में भारत पर अमेरिका,यूरोपीय संघ और आस्ट्रेलिया का दबाव था कि इन देशों के व्यापारिक हितों के लिए भारत अपने गरीबों के हित कि बलि चढ़ा दे। विकसित देश चाहते थे कि विकासशील देश समुचित व्यापार अनुबंध की सभी शर्तों को जस की तस मानें। जबकि इस अनुबंध की खाद्य सुरक्षा संबंधी शर्त भारत के हितों के विपरीत है। दिसंबर 2013 में भी इन्हीं विषयों को लेकर इंडोनेशिया के बाली शहर में डब्ल्यूटीओ की बैठक हुई थी, तब संप्रग सरकार के पूर्व वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री आनंद शर्मा ने भी इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। दरअसल सकल फसल उत्पाद मूल्य की 10 फीसदी सब्सिडी का निर्धारण 1986-88 की अंतरराष्ट्रीय कीमतों के आधार पर किया गया था। इन बीते साढ़े तीन दशक में मंहगाई ने कई गुना छलांग लगाई है। इसलिए इस सीमा का भी पुनर्निर्धारण जरूरी है। यही वह दौर रहा है, जब भूमण्डलीय आर्थिक उदारवाद की अवधरणा ने बहुत कम समय में ही यह प्रमाणित कर दिया कि वह उपभोक्तावाद को बढ़ावा देकर अधिकतम मुनाफा बटोरने का उपाय भर है। टीएफए की सब्सिडी संबंधी शर्त, औद्योगिक देश और उनकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के इसी मुनाफे में और इजाफा करने की दृष्टि से लगाई गई है। जिससे लाचार आदमी के आजीविका के संसाधनों को दरकिनार कर उपभोगवादी वस्तुएं खपाई जा सकें। नव-उदारवाद की ऐसी ही इकतरफा व विरोधाभासी नीतियों का नतीजा है कि अमीर और गरीब के बीच खाई लगातार बढ़ती जा रही है। दरअसल देशी व विदेशी उद्योगपति पूंजी का निवेश दो ही क्षेत्रों में करते हैं, एक उपभोक्तावादी उपकरणों के निर्माण और वितरण में, दूसरे प्राकृतिक संपदा के दोहन में। यही दो क्षेत्र धन उत्सर्जन के अह्म स्त्रोत हैं। उदारवादी अर्थव्यवस्था का मूल है कि भूखी आबादी को भोजन के उपाय करने की बजाय,विकासशील देश पूंजी का केंद्रीकरण एक ऐसी निश्चित आबादी पर करें,जिससे उसकी खरीद क्षमता में निरंतर इजाफा होता रहे।

भारत जैसे विकासशील देश अपनी आबादी के कमजोर तबके के लोगों की खाद्य सुरक्षा जैसी आवश्यकता की पूर्ति के लिए बड़ी मात्रा में अनाज की समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीद करते हैं। फिर इसे रियायती दरों पर पीडीएस के जरिए सस्ती दरों पर बेचा जाता हैं। यहां तक की रूपया किलो गेंहूं और दो रुपए किलो चावल बेचे जा रहे हैं। पंजाब में अनाज सब्सिडी सबसे ज्यादा दी जाती है। मध्यप्रदेश सरकार तो आयोडीनयुक्त नमक भी रुपैया किलो दे रही है। यदि गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाले व्यक्ति के अजीविका की यह खाद्य सामग्री रियायती दरों पर नहीं मिलेंगी। तो भारत समेत अन्य कई देषों की बड़ी आबादी भूख के चलते दम तोढ़ देगी। यह रियायती अनाज तभी उपलब्ध होगा, जब भारत अपने किसानों की आर्थिक मदद सब्सिडी के रूप में करता रहे।

अमेरिका जैसे विकसित देश भारत में किसानों को यूरिया, खाद और बिजली पर दी जाने वाली सब्सिडी का भी विरोध कर रहे हैं। ये देश भारत के मछली पालन और उसके मांस के निर्यात में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी से भी परेषान हैं। मछली पालकों को आर्थिक मदद मिलने से इसके उत्पादन में इजाफा हुआ है और मछली पालक वैश्विक बाजार में मांस-निर्यात की प्रतिस्पर्धा में विकसित देशों के मुकाबले में बराबरी करने लगे हैं। यही कारण है कि अमेरिका भारतीय मछुआरों को मिलने वाली सब्सिडी को प्रतिबंधित करना चाहता है। इसी मकसद की पूर्ति के लिए इस सम्मेलन में समुद्र से मछली पकड़ने पर अंतरराष्ट्रीय कानून बनाने का प्रस्ताव लाया गया है। जिसका भारत ने कठोर विरोध दर्ज कराया है। भारत का तर्क है कि ऐसा हुआ तो भारत के दस राज्यों के 40 लाख मछुआरों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा।

डब्ल्यूटीओ की इस जेनेवा बैठक में कोविड-19 वैक्सीन पेटेंट की भी चर्चा हुई। इस सिलसिले में पश्चिमी देशों का मानना है कि कोविड वैक्सीन का पेटेंट अनिवार्य होना चाहिए। अर्थात जो कंपनी जिस बीमारी का टीका बनाकर पेटेंट करा लेगी, केवल उसे ही टीका बनाने और बेचने का अधिकार होगा। मूल्य का निर्धारण भी कंपनी करेगी। जबकि भारत ने सम्मेलन में कहा कि महामारी के दौर में टीका चाहे कोई देश या कंपनी बनाए, लेकिन इसके निर्माण की तकनीक मानवीयता के आधार पर अन्य देशों से साझा की जानी चाहिए। जिससे विकासशील देश भी टीका बनाकर अपनी आबादी के प्राणों की सुरक्षा कर सकें। दरअसल पष्चिमी देष भारत से इसलिए घबराए हुए हैं, क्योंकि भारत प्रस्ताव में शामिल सभी मुद्दों पर पश्चिमी देशों की होड़ में शामिल हो गया है। भारत का अनाज और मांस विकसित देशों की तुलना में सस्ते हैं, अतएव अमेरिका और यूरोपीय देशों के महंगे अनाज का निर्यात कम होने लगा है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने दो तरह की वैक्सीन बनाकर अपनी आबादी की सुरक्षा की। इस कारण पश्चिमी देश भारत को वैक्सीन निर्यात करके मुनाफा कमाने से वंचित रह गए। अलबत्ता भारत ने अपने सभी पड़ोसी देशों को वैक्सीन मुफ्त में दी और अनेक यूरोपीय देशों को निर्यात करके धन भी कमाया। गोया, भारत की इन क्षेत्रों में बढ़ती आत्मनिर्भरता विकासशील पश्चिमी देशों को फूटी आंख नहीं सुहा रही है। अतएव जेनेवा में भारत के सख्त रवैये से अमेरिका की चौधराहट को जबरदस्त धक्का लगा है। दरअसल डब्ल्यूटीओ का विधान बहुमत को मान्यता नहीं देता, बल्कि इसमें प्रावधान है कि किसी भी एक सदस्य देश की आपत्ति नए बदलाव में बाधा है। भारत के समर्थन में तो अस्सी देश आ खड़े हुए हैं। लिहाजा प्रस्तावों पर मंजूरी की मोहर नहीं लग पाई।

प्रमोद भार्गव

आपका राशिफल 24 जून

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-4-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें व परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-1-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
अपने काम पर नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। पारिवारिक विवाद टालें। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-3-5-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। संतान-स्त्री पक्ष से लाभ होगा। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आय के योग बनेंगे। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-6

फिल्म वर्ग पहेली- 5849

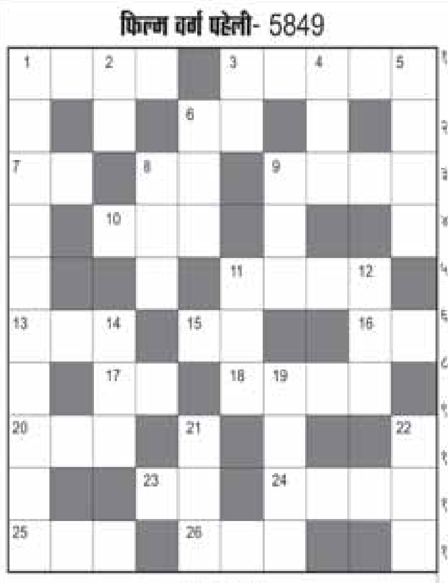

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुमसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरुख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरुख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बारी भी आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथियावाड़' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेषाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दुल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नज़रें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 5848

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 6365

★★★★★ कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6364 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

सेहत

हार्ट को हैल्दी रखता है यह तेल जानिए इसके अनेक फायदे

स्वस्थ रहने के लिए केवल हल्दी ही नहीं इसका तेल भी काफी फायदेमंद है। हल्दी का तेल हल्दी के पौधे की जड़ों से निकाला जाता है। हल्दी की तरह इसमें भी कई औषधीय गुण पाए जाते हैं जो शरीर को रोगों से बचाने में मदद करता है। हल्दी का तेल शरीर से विषैले पदार्थ बाहर निकालने, इम्यून सिस्टम को मजबूत करने र हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

आइए जानिए हल्दी तेल शरीर को क्या-क्या फायदे मिलते हैं?

1. जोड़ों के दर्द और सूजन से मिले राहत

हल्दी के तेल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। जोड़ों और मसल्स में दर्द के कारण होने वाली सूजन पर इस तेल से मालिश करने पर काफी राहत मिलती है।

2. हृदय रखें स्वस्थ

हृदय रोगियों के लिए हल्दी तेल काफी फायदेमंद है। इसे तेल में खाना बना कर खाने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन ठीक रहता है और मेटाबॉल्जिम भी बूस्ट होता है। इसके अलावा हार्ट अटैक का खतरा कम होता है और हृदय स्वस्थ रहता है।

3. इम्यून सिस्टम करें बूस्ट

हल्दी तेल में एंटी-माइक्रोबियल, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण होते हैं जो इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने में मदद करते हैं। इससे शरीर को रोगों का खतरा कम होता हैं।

4. डिप्रेशन से मिले राहत

हल्दी तेल डिप्रेशन कम करने में भी मदद करता है। जब आप शांत और आराम महसूस करना चाहते हो तो कुछ बूंदे हल्दी तेल की लेकर हवा में फैलाएं। ऐसा केवल सोने से पहले ही करें। इससे आपका तनाव कम होगा और मूड ठीक होगा। जब आप कभी बैचेनी और सांस लेने में मुश्किल महसूस करें तो हल्दी तेल की कुछ बूंदे हाथों पर लेकर रगड़े और अपने हाथों को फेस पर लगा कर गहरी सांस लें। आपको काफी आराम महसूस होगा।

5. दांतो को रखें स्वस्थ

हल्दी तेल में एंटी-इंफलेमेटरी गुण होते हैं जो दांतों से जुड़ी समस्याओं को ठीक करने में मदद करते हैं। मसूड़ों में सूजन होने पर टूथपेस्ट में 1-2 बूंदें हल्दी तेल की मिक्स करके 1-2 मिनट तक ब्रश करें। इससे आपको काफी राहत मिलेंगी।

विचार प्रवाह

घाव समय पर ही भरते हैं। घावों को बार बार न तो देखना चाहिए और न ही कुरेदना चाहिए और हां दुनिया वालों को अपने घाव मत दिखाना क्योंकि ये दुनिया बड़ी जालिम है। तुम्हारे दुखों को रो रोकर पूछेगी और फिर दुनिया को हंस हंस कर बताएगी। लोग घाव दिखाने पर नमक छिड़केंगे इसलिए बेहतर यही है कि घाव का दर्दचुपचाप सहते रहें। एक दिन इन दुखों से जरूर मुक्ति मिलेगी।

-मुनिश्री तरुण सागर

शब्द पहेली - 7405

बाएँ से दाएँ

1. निशा, रात (उर्दू-2)
4. ताला (अंग्रेजी-2)
6. दुलारा, लाडला-2
7. बढ़ावा, समर्थन-2
9. निवास, घर, नीड़-3
12. कमी-3
14. पनाह, आश्रय-3
16. अंगूठे से तीसरी अंगुली, सावित्री-4
17. सज्जनता, सभ्यता-4
18. गिरवी रखी वस्तु-3
20. एक राशि-3
22. दबाव (अंग्रेजी-3)
24. कुल, मुनाफा-2
26. उम्मीद, आशा-2
27. मादा का विलोम-2
28. आगमन-2

ऊपर से नीचे

1. मदिरा, मद्य-3
2. ऐश्वर्या व अक्षय खन्ना की फिल्म-2
3. सम्मान, प्रसिद्धि-2
5. डोली उठाने वाले-3
6. वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के कप्तान-2
8. अधिकार-2
10. सेनापति, कप्तान-2,3
11. पति की मां-2
13. आत्मबलिदानी -5
14. कद काठी-3
15. रसद, किराणा-3
19. प्रत्येक-2
20. मैला, अस्वच्छ-3
21. मिट्टी, धूल-2
22. छापाखाना-2
23. जिव्हा, जीभ-3
25. सम्मान-2
26. फलों का राजा-2

शब्द पहेली -7404 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

नाम वापसी के बाद प्रचार ने पकड़ा जोर

बैरागढ़ में जनसंपर्क का सिलसिला शुरू

बैरागढ़ के कुछ इलाकों में सड़कों की बदहाली और अन्य समस्याओं के चलते उम्मीदवारों को रहवासियों का विरोध भी झेलना पड़ रहा।

भोपाल (यश भारत)। नगर निगम चुनाव को लेकर बैरागढ़ में प्रचार अभियान शुरू हो गया है। कांग्रेस और भाजपा के उम्मीदवार अब घर-घर दस्तक देने लगे हैं। बैठकों का दौर भी शुरू हो गया है। इस बीच नागरिक भी सजग हो चुके हैं। जिन इलाकों में विकास कार्य नहीं हुए हैं, वहां के नागरिकों ने उम्मीदवारों से साफ कहा है कि वे हमारे इलाके में वोट मांगने ना आएं। कांग्रेस ने इस बार बैरागढ़ में कुछ पुराने नेताओं को टिकट दिया है तो कुछ युवाओं को भी अवसर दिया है। वार्ड एक से लक्ष्मण राजपूत, वार्ड 2 से शीलेंद्र सोनू तोमर, वार्ड 3 से रेणु मारण, वार्ड 4 से मधु चांदवानी, एवं वार्ड 5 से पूर्व पार्षद अशोक मारण को उम्मीदवार बनाया है वार्ड 6 से दीपा यादव उम्मीदवार हैं। वहीं भाजपा ने वार्ड 1 से राधिका सिंह, वार्ड 2 से कुसुम चतुर्वेदी, वार्ड 3 से करिश्मा विकास मारन, वार्ड 4 से राजेश हिंगोरानी, वार्ड 5 से राहुल राजपूत एवं वार्ड 6 से ज्योति यादव को उम्मीदवार बनाया है। कुछ निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में डटे हैं। भाजपा के बागी हरीश बिनवानी एवं कन्हैया ईसरानी वार्ड 4 में प्रचार कर रहे हैं। कांग्रेस और भाजपा दोनों दलों की बैठकों में प्रचार अभियान की रणनीति तय की गई। आज सुबह ही दोनों दोनों दलों के उम्मीदवारों ने जगह-जगह जनसंपर्क किया।

रोड खराब, कृपया वोट मांगने ना आएं

बैरागढ़ के कुछ इलाकों में सड़कों का निर्माण लंबे समय से नहीं हुआ है। कालोनी के नागरिकों ने उम्मीदवारों से अपील की है कि वह वोट मांगने ना आए। बैंक ऑफ बड़ौदा के पास की सड़क लंबे समय से खराब है। यहां के नागरिकों ने इंटरनेट मीडिया पर एक संदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि अब किसी को भी वोट नहीं देंगे, क्योंकि यहां किसी ने काम नहीं कराया है। हर बार वोट मांगने आ जाते हैं, उसके बाद गायब हो जाते हैं। इस क्षेत्र से लंबे समय से भाजपा के पार्षद जीतते आए है। आवासीय कालोनी में समस्याओं के कारण उम्मीदवारों को जनता की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह के विधानसभा क्षेत्र खुरई के अंतर्गत आने वाली बरोदिया नगर परिषद के सभी 15 वार्डों में निर्विरोध निर्वाचित!

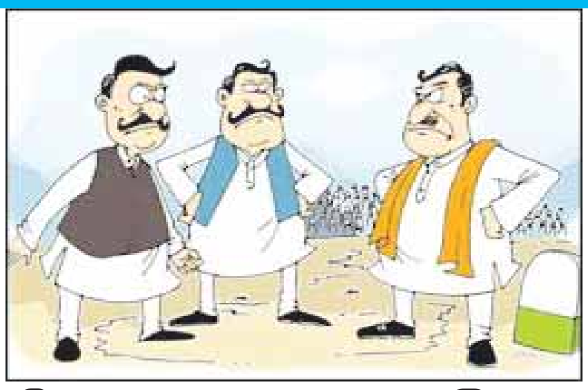

शाहगंज पहली समरस नगर परिषद सभी 15 पार्षद निर्विरोध निर्वाचित

भोपाल (यश भारत)। शाहगंज नगर परिषद के सभी 15 पार्षद निर्विरोध निर्वाचित होने पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि क्षेत्र की जनता ने चमत्कार करके दिखाया है। यह पहली समरस नगर परिषद होगी। जनता ने जो सामंजस्य, समन्वय और समरसता दिखाई है, वह आमतौर पर दुर्लभ होती है। वहीं, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह के विधानसभा क्षेत्र खुरई के अंतर्गत आने वाली बरोदिया नगर परिषद के सभी 15 वार्डों में निर्विरोध निर्वाचन हुआ। मालथौन नगर परिषद के 15 में से 12 और बांदरी नगर परिषद के 15 में से 10 वार्डों में भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए हैं। उन्होंने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के विकास कार्यों की है। गृह मंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा के विधानसभा क्षेत्र दतिया में भी छह और बडौनी नगर परिषद के तीन वार्ड में निर्विरोध निर्वाचन हुआ है।

भाजपा के मुकाबले चार गुना अधिक अल्पसंख्यकों को कांग्रेस ने बनाया प्रत्याशी

भोपाल (यश भारत)। नगर निगम भोपाल के 85 वार्डों में से 30 वार्ड ऐसे हैं, जहां अल्पसंख्यकों का दबदबा है। यहां से मुस्लिम वोट ही प्रत्याशियों के जीत और हार का फैसला करते हैं। इसलिए भाजपा-कांग्रेस के साथ अन्य राजनीतिक पार्टियां भी अल्पसंख्यकों को लुभाने के लिए पार्षद का टिकट दे रही हैं। बतादें कि नगर निगम भोपाल में कांग्रेस पार्टी ने भाजपा से चार गुना अल्पसंख्यकों को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने निगम चुनाव में चार प्रतिशत तो कांग्रेस ने 16 प्रतिशत अप्लसंख्यक उम्मीदवारों को टिकट दिया है।

बतादें कि पुराने शहर में वार्ड 19, 22, 23, 33, 35, 40, 41, 42 43, 79 ऐसे वार्ड हैं, जहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या अधिक है। इन वार्डों में जीत के लिए मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन जरुरी है। ऐसे में सभी पार्टियां अल्पसंख्यकों का समर्थन जुटाने के लिए तरह-तरह के जतन कर रही हैं। निगम चुनाव में बढ़चढ़ कर मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया गया है। भाजपा ने 85 में से पांच वार्डों से अप्लसंख्यक उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस ने 19 प्रत्याशियों को टिकट दिया है। वहीं आम आदमी पार्टी, सपा और बसपा भी इस मामले में पीछे नहीं हैं। आम आदमी पार्टी ने भी 18 अप्लसंख्यकों को अपना प्रत्याशी बनाया है। इसके साथ ही बसपा ने दस और सपा ने आठ प्रतिशत उम्मीदवारों को टिकट दिया है।

भाजपा के अल्पसंख्यक प्रत्याशी

वार्ड 9 से रुबीना असद, वार्ड 14 से सैयद फरहा हुसैन, वार्ड 16 से मो. तौफीक, वार्ड 40 से आसिफ अकील और वार्ड 41 से समीना रेहान सिद्दीकी को उम्मीदवार बनाया है।

कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रत्याशी

वार्ड 8 से रेहाना सुल्तान, वार्ड 9 से नाहिद जहां, वार्ड 14 से शीबा मसूद अली, वार्ड 16 से मो. सरवर, वार्ड 19 से वसीमुद्दीन, वार्ड 22 से मो. आजाद, वार्ड 23 से लईक बी, वार्ड 24 से शबिस्ता आसिफ जकी, वार्ड 25 से वाहिद लश्करी, वार्ड 35 से शिरीन खान, वार्ड 40 से अनसउर्र रहमान, वार्ड 41 से मो. फईम, वार्ड 42 से अजीजुद्दीन, वार्ड 43 से नसीम गभूर, वार्ड 44 तारिक अली, वार्ड 70 से जशनीश सिंह आनंद, वार्ड 71 से दानिश शब्बीर खान और वार्ड 78 से मो. रियाज को उम्मीदवार घोषित किया है।

चांदबड़ स्थित एमपीईबी के स्टोर में लगी भीषण आग, लाखों का माल जलकर खाक

दमकल कर्मियों ने डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू, ट्रांसफार्मर और आइल जला

भोपाल (यश भारत)। राजधानी के चांदबड़ स्थित एक नंबर प्लेटफार्म के पास एमपीईबी के स्टोर रूम में बुधवार सुबह आग लग गई। इस हादसे में स्टोर में रखे लाखों रुपये के ट्रांसफार्मर और इसका आइल जल गया। इससे लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री और स्थानीय विधायक विश्वास सारंग भी पहुंच गए थे। जो आग बुझाने जाने तक घटना स्थल पर मौजूद रहे। हालांकि इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई। नगर निगम के फायर अफसर रामेश्वर नील ने बताया कि फायर कंट्रोल रुम में सुबह 10 बजे चांदबड़ स्थित एक नंबर प्लेटाफार्म के पास आग लगने की सूचना मिली थी। यह सूचना दिनेश तांबे नाम के व्यक्ति ने दी थी। सूचना के मिलते ही फतेहगढ़ कंट्रोल रूम से 2, गोविंदपुरा से 01, पुल बोगदा पुल से 01, कबाड़खाने से 01 और करोंद से दो फायर फाइटर वाहन घटनास्?थल पर भेजे गए थे। फायर फाइटर नौशाद अली ने बताया कि आग को बुझाने में करीब डेढ़ घंटे का समय लगा। एक दर्जन से अधिक फायर कर्मियों ने साढ़े ग्यारह बजे तक आग को पूरी तरह बुझा दिया। हालांकि आग किन कारणों से लगी, इसका पता नहीं चल पाया है।

जिन्हें टिकट नहीं मिला, उनके सम्मान में कमी न रहे जरूरत पड़े तो पांव पकड़कर मनाएं - कमलनाथ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने भोपाल नगर निगम के सभी प्रत्याशियों के साथ बैठक

भोपाल (यश भारत)। किसी प्रत्याशी को यह नहीं समझना चाहिए कि वह अपने आप में बहुत ताकतवर है। आप कितने भी शक्तिशाली हों, लेकिन आपको सबके सहयोग की आवश्यकता है। जिन्हें टिकट नहीं मिला, उन्होंने भी कांग्रेस का झंडा उठाया है। उनके सम्मान में किसी तरह की कमी नहीं आए। आप उन्हें मनाएं और जरूरत पड़े तो उनके पैर पकड़कर अपने साथ लाइए। यह बात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने बुधवार देर शाम अपने आवास पर आयोजित भोपाल नगर निगम के सभी प्रत्याशियों की बैठक में कही। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुरेश पचौरी, महापौर पद की प्रत्याशी विभा पटेल सहित सभी वरिष्ठ नेता मौजूद थे। कमल नाथ ने कहा कि सभी प्रत्याशियों को नगर निगम चुनाव अपनी पूरी ताकत से लड़ना है। हम पार्टी के संगठन के बल पर चुनाव जीतेंगे। जिन्हें टिकट नहीं मिला है, उनके लिए मुझे दुख है पर प्रत्याशी कोई एक ही हो सकता है। किसी के सम्मान में कोई कमी नहीं आएगी। उन्होंने पार्षद पद के प्रत्याशियों से कहा कि आपको सिर्फ अपने वोटों पर ध्यान नहीं देना है, बल्कि महापौर प्रत्याशी विभा पटेल के लिए भी खुद से ज्यादा वोट डलवाने हैं। जब हम मिलकर चुनाव लड़ेंगे तो भोपाल में एक नया इतिहास लिखा जाएगा। सभी प्रत्याशी मतदान की तारीख तक की पूरी कार्ययोजना तैयार रखें और व्यवस्थित तरीके से चुनाव प्रचार में जुटें। इस दौरान विभा पटेल ने कहा कि हम सब मिलकर इस चुनाव में कांग्रेस पार्टी को मजबूती से जिताएंगे। बैठक में विधायक आरिफ मसूद, जिला कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश मिश्रा, पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

भाजपा का दावा, हमारे प्रत्याशियों के पक्ष में दो हजार 200 नाम हुए वापस

उधर, भाजपा ने दावा किया है कि पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के पक्ष में दो हजार 200 नाम वापस हुए हैं। इसमें वे कार्यकर्ता भी शामिल हैं, जिन्होंने विकल्प के तौर पर नामांकन पत्र दाखिल किया था। उधर, प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने बताया कि भोपाल सहित प्रदेश के अन्य नगर निकायों में पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में अधिकांश कार्यकर्ताओं ने नाम वापस ले लिए हैं। पार्टी की व्यवस्था के मुताबिक जिन्होंने भी नाम वापस नहीं लिए हैं, उनके विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

दीक्षा समारोह में भोज विश्वविद्यालय के विद्यार्थी पहनेंगे खादी परिधान

अगस्त के प्रथम सप्ताह में आयोजित होगा भोज

भोपाल (यश भारत)। राजधानी में स्थित मप्र भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय द्वारा छठवां दीक्षा समारोह अगस्त माह के प्रथम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा। इस बार पारंपरिक वेशभूषा में विद्यार्थी दीक्षा लेंगे। विवि द्वारा उन्हीं विद्यार्थियों को दीक्षा समारोह में उपाधि प्रदान की जाएगी, जो कार्यक्रम स्थल पर खादी व हथकरघा से निर्मित कपड़े पहनकर आएंगे। इसमें छात्राओं को सफेद क्रीम रंग की साड़ी या सलवार सूट और छात्रों के लिए सफेद क्रीम रंग का कुर्ता व पायजामा निर्धारित किया गया है। विवि में उत?तीर्ण समस्त आवेदक विद्यार्थियों को उपाधियों से अलंकृत किया जाएगा। विवि के कुलसचिव डा. एलएस सोलंकी ने समस्त क्षेत्रीय निदेशकों, अध्ययन केंद्रों के प्राचार्य, समन्वयकों एवं वर्ष 2018 से वर्ष 2021 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को इस संबंध में दिशा निर्देश जारी किए हैं। आदेश में कहा गया है कि जो विद्यार्थी इस दीक्षा समारोह में अपनी उपाधि प्राप्त करना चाहते हैं। वे 25 जून से 15 जुलाई तक विवि द्वारा निर्धारित शुल्क 250 रुपये एवं उत्तीर्ण पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष की अंकसूची की फोटोकापी के साथ एमपी आनलाइन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि दीक्षा समारोह में सहभागिता के लिए परिधान (गणवेश) निर्धारित है। इस दीक्षा समारोह में प्रतिभागी विद्यार्थियों को खादी या अन्य हस्तकरघा कपड़ों से निर्मित निर्धारित वेशभूषा में समारोह स्थल पर शामिल होना होगा। इसमें छात्राओं को सफेद क्रीम रंग की साड़ी या सलवार सूट में आना होगा और छात्रों के लिए सफेद क्रीम रंग का कुर्ता व पायजामा निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त समस्त विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा साफा व जैकेट व उत्तरीय उपलब्ध कराई जाएगी। जो विद्यार्थी पहले कभी उपाधि के लिए आवेदन कर चुके हैं, लेकिन अभी तक उपाधि प्राप्त नहीं हुई है वे भी आफलाइन आवेदन कर सकते हैं।

विद्यार्थियों को भरना होगा आवेदन

भोज विवि के यूजी व पीजी में मेधावी श्रेणी में आए 100 से अधिक विद्यार्थियों को गोल्ड व सिल्वर मेडल प्रदान किया जाएगा। विवि इसके लिए सूची तैयार करने में तेजी से जुटा है। विवि ने निर्देश दिए हैं कि विद्यार्थियों को आवेदन भरना होगा। इसके बाद उन्हें आने की सहमति भी देनी होगी। इसके बार विवि विद्यार्थियों को अभिभावकों के साथ शामिल करेगा।

देसी कट्टा और कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

भोपाल (यश भारत)। क्राइम ब्रांच इन दिनों लगातार कार्रवाई कर बदमाशों को गिरफ्तर कर रही है। ऐसे ही एक बदमाश को पुलिस ने उस समय धरदबोचा, जब वह वारदात की फिराक में घूम रहा था। आरोपित के पास से देशी कट्टा और कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। उससे कई अहम खुलासे होने की उम्मीद जताई जा रही है। आरोपित निशातपुरा क्षेत्र में स्थित अमन कालोनी में रहता है। उसका दूध डेयरी का भी कारोबार है।

जानकारी के मुताबिक क्राइम ब्रांच की विशेष टीम को शहर में अवैध शस्त्र की तस्करी रोकने की दिशा में कार्रवाई के लिए आदेशित किया था। इसी तारतम्य में टीम को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि पातरा पुलिया माली खेड़ीरोड भानपुर पर एक युवक जो पीले रंग की टीशर्ट और नीले रंग का लोअर पहने है, उसके पास एक कट्टा है। सूचना विश्वसनीय होने से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिनके आदेश के पालन में स्टाफ को सूचना से अवगत कराकर टीम मौके पर पहुंची, जहां मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए जैसा एक युवक नजर आया। टीम द्वारा उससे पूछताछ करने पर वह सकपका गया। टीम ने जब उसकी तलाशी ली, उसके पास बाईं तरफ कमर में एक देसी कट्टा लोडेड कारतूस के साथ मिला। वहीं लोअर की दाईं जेब में भी कारतूस मिला। इसके बाद टीम ने आरोपित के खिलाफ आर्म्?स एक?ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपित की पहचान 25 वर्षीय गुलाम हैदर के रूप में हुई है। वह निशातपुरा की अमल कालोनी मे रहता है।

पंचायत चुनाव के पहले चरण का चुनाव प्रचार गुरुवार को थम जाएगा

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, नरसिंहपुर और हरदा जिले में एक ही चरण में होगा पंचायत चुनाव

भोपाल (यश भारत)। मध्य प्रदेश में त्रिस्तरीय (ग्राम, जनपद और जिला) पंचायत के पहले चरण के चुनाव का प्रचार गुरुवार को दोपहर तीन बजे से थम जाएगा। 25 जून को सुबह सात से तीन बजे तक मतदान होगा। इसके बाद मतदान केंद्र स्तरीय मतगणना प्रारंभ होगी पर परिणामों की घोषणा नहीं की जाएगी। विकासखंड स्तर पर होने वाली मतगणना 28 जून को होगी। पंच, सरपंच और जनपद पंचायत के सदस्य पद के परिणामों की घोषणा एक साथ 14 जुलाई को की जाएगी। जिला पंचायत के सदस्य पद के लिए मतों की गणना 15 जुलाई को जिला मुख्यालय पर होगी। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, नरसिंहपुर और हरदा जिले में पंचायत चुनाव पहले चरण में पूरा हो जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बताया कि मतदान समाप्ति से 48 घंटे पहले चुनाव प्रचार थम जाएगा। इस दौरान सार्वजनिक सभा प्रतिबंधित रहेगी। शराब की दुकानें भी निर्वाचन क्षेत्र में बंद रखी जाएंगी। पहले चरण में 115 जनपद पंचायत और आठ हजार 702 ग्राम पंचायतों के चुनाव होंगे। एक करोड़ 49 लाख 23 हजार 165 मतदाताओं 27 हजार 49 मतदान केंद्रों पर मतदान करेंगे। इस बार जिला और जनपद पंचायत का चुनाव भी मतपत्र के माध्यम से होगा। पिछले चुनाव में यह चुनाव इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन से कराए गए थे। प्रत्येक मतदाता पंच, सरपंच, जनपद और जिला पंचायत सदस्य के लिए मतदान करेंगे। प्रत्येक के लिए अलग-अलग रंग के मतपत्र रहेंगे। मतदान दल 24 जून को शाम तक मतदान केंद्रों पर पहुंच जाएगा। आयोग ने चुनाव को देखते हुए सुरक्षा के तगड़े प्रबंध किए हैं। संवेदनशील केंद्रों पर पुलिस के साथ-साथ सशस्त्र बल के जवान भी तैनात रहेंगे।

विद्यार्थियों को स्कूल में ही मिल जाएं जाति और मूल निवासी प्रमाण पत्र - सीएम शिवराज

सिंगल सिटीजन डाटाबेस की समीक्षा, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

भोपाल ,यशभारत। संगल सिटीजन डाटाबेस को लेकर समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी, जिससे मूल निवासी, जाति प्रमाण पत्र और भूमि से जुड़े दस्तावेज के लिए लोगों को शासकीय कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। विद्यार्थियों को स्कूल में ही जाति और मूल निवासी प्रमाण पत्र मिल जाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी लोगों के आवश्यक दस्तावेजों को अपलोड करने के लिए ग्राम स्तर पर अभियान चलाया जाए। जिन प्रदेशवासियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त हुआ है और जो बाकी रह गए हैं, उनकी जानकारी एक स्थान पर उपलब्ध रहे। योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं, कमियों और हितग्राहियों की परेशानियों को चिह्नित करने की व्यवस्था भी विकसित की जाए। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि समग्र डाटाबेस को विस्तार दिया जाएगा। इसमें पंजीकृत नागरिकों का ई-केवाईसी किया जाएगा। इससे सदस्य को प्राप्त योजनाओं के लाभ की जानकारी आसानी से मिल जाएगी। अब तक लगभग 48 लाख जाति प्रमाण पत्र की समग्र के साथ मैपिंग पूरी हो गई है। बैठक में हितग्राहीमूलक योजनाओं में समग्र का उपयोग सुनिश्चित करने, विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान करने के लिए एकल फार्म बनाए जाने और विवाह प्रमाण पत्र बनाने की संपूर्ण प्रक्रिया को समग्र पोर्टल पर विकसित करने पर विचार विमर्श किया गया।

नगर के 33800 मतदाता करेगें 80 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

सिहोरा, यशभारत। नगरी निकाय चुनाव प्रक्रिया मैं नाम वापसी एवं चुनाव चिन्ह आवंटन के पश्चात सिहोरा नगर पालिका के 18 वार्डो से पार्षद पद की प्रत्याशा में 80 उम्मीदवारों ने चुनावी रण में हूंकार भरी है

बागियों को मनाने नाकाम सत्ता एवं संगठन

उल्लेखनीय है कि निकाय चुनाव हेतु 101 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए थे सविंक्षा उपरांत शेष 98 मैं से 18 उम्मीदवारों द्वारा नाम वापस लिए जाने के बाद अब चुनावी रण में 80 उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं।

नगरीय निकाय चुनाव में मध्यप्रदेश की सत्ता में आसीन भारतीय जनता पार्टी ने इस बार ब्राह्मणो के ऊपर ज्यादा ही मेहरबान दिखाई दी पार्टी ने जहां महिला पुरुषों के लिए कुल अनारक्षित 9 वार्डो में से 2,3,4,6,13,15,16 से ब्राह्मण महिला पुरुषों को उम्मीदवार बनाया है तो वही कांग्रेस ने इस बार केवल 2,8,13 से ही ब्राह्मणो को प्रत्याशी बनाया है । अब देखना यह है की उक्त प्रत्याशी मतदाताओं की भावनाओं पर कहा तक खरा उतरते है ।

बागियों को मनाने में नाकाम रहा संगठन

हर बार की तरह इस बार भी भाजपा संगठन ने जिला से लेकर विधानसभा क्षेत्र और नगर में अपने प्रभारियों की नियुक्ति तो की लेकिन वे भारतीय जनता पार्टी से विभिन्न वार्डो में खडे बागियों को मनाने में नाकाम रहे अगर तथा फार्म भरने से लेकर वापसी तक की प्रक्रिया में उनकी भूमिका कही भी समझ में नही आई और न ही उन्होंने कोई ठोस रणनिति बनाई जिससे की बागी मान जाये इनकी निष्क्रिय कार्य प्रणाली का नतीजा यह निकला की अब अनेक बागी निर्दलीय चुनाव लडकर भाजपा उम्मीदवारों को ही हराने में जुट गये । बिलकुल यही स्थिति विगत नगर पालिका चुनाव में थी जिससे भाजपा को भारी नुकसान उठाना पडा था। इसी तरह कांग्रेस के भी अनेक निष्ठावान कार्यकर्ता टिकट न मिलने से नाराज थे और उन्होनें फार्म भर चुके पार्टी के बागियों को भी समय रहते संगठन के किसी बडे नेता ने मनाने में कोई पहल नही की जिससे चलते ऐसे बागीयों ने अनेक वार्डो में कांग्रेस के अधिक्रत प्रत्याशियों को हराने के लिए अब कमर कस ली है।

भाजपा ने 7 कांग्रेस ने 3 ब्राह्मणो को दिया टिकट

सभी वार्डो की तस्वीर साफ

नगरीय निकाय चुनाव में नाम वापसी के पास चुनाव की तस्वीर साफ हो गई है अब वार्ड एक से 4,दो से 6,तीन से 6,चार से 5,पांच से 3,छ से 3,सात से 4,आठ से 2,नौ से 5,दस से 4,ग्यारह से 3,बारह से 3,तेरह से 6,चौदह से 5,पंद्रह से 6,सोलह से 3,सत्रह से 9,अठारह से 3 उम्मीदवार अब मैदान मे शेष बचे है

देवरानी जेठानी भी मैदान में

नगर पालिका चुनाव मे तस्वीर साफ होने के बाद जहां वार्ड 10 से भाजपा से जिठानी एंव आम आदमी पार्टी से देवरानी चुनाव मैदान में है वही वार्ड 3 से भाजपा की टिकट पर पूर्व विधायक की बहन एंव वार्ड 4 से उनकी पत्नी भी चुनाव मैदान में अपना भाग्य आजमा रही है।

12 उम्मीदवारों ने वापस लिए अपने नाम

गाडरवारा(यश भारत)। नगरीय निकाय चुनाव के नाम निर्देशन पत्र वापसी के उपरांत चुनाव चिन्ह आवंटन के बाद चुनाव लड़ने वाले पार्षद उम्मीदवारों की स्थिति स्पष्ट हो गई है नगर पालिका चुनाव में 24 वार्डों में 72 उम्मीदवार चुनाव मैदान में है जिसमें बीजासेन वार्ड में एक उम्मीदवार शेष रहने पर 23 वार्ड से 71 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं कांग्रेस भाजपा आम आदमी पार्टी सहित निर्दलीय प्रत्याशी भी चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे है पार्षद चुनाव के उपरांत निर्वाचित पार्षद नगर पालिका अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चुनाव करेंगे ।

6 वार्ड में काँग्रेस भाजपा में सीधा मुकाबला

इंदिरा वार्ड ,राजीव वार्ड, शास्त्री वार्ड , चावड़ी वार्ड जवाहर वार्ड जगदीश वार्ड में कांग्रेस एवं भाजपा के बीच सीधा मुकाबला होगा।

12 वार्डों में होगा त्रिकोणीय संघर्ष, गांधी वार्ड, राजेन्द्र बाबू वार्ड ,आजाद वार्ड, कामथ वार्ड, हनुमान वार्ड ,महारानी लक्ष्मी बाई वार्ड, सुभाष वार्ड,राधाबल्लभ वार्ड, विवेकानंद वार्ड, निरंजन वार्ड, पटैल वार्ड, नरसिंह वार्ड, मैं कांग्रेस, भाजपा, आम आदमी पार्टी एवं निर्दलीय के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होगा ।

23 वार्डो में 71 प्रत्याशी चुनाव मैदान में 1 वार्ड हुआ निर्विरोध

4 वार्डो में चतुष्कोणीय मुकाबला, भाभा वार्ड, भगतसिंह वार्ड, माता वार्ड,शिवाजी वार्ड में कांग्रेस भाजपा आम आदमी पार्टी सहित निर्दलीय के बीच चतुष्कोणीय मुकाबला रहेगा ।

महाराणा प्रताप वार्ड में 7 प्रत्याशी लड़ रहे चुनाव

महाराणा प्रताप वार्ड मैं सबसे अधिक पार्षद प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं इस वार्ड में कांग्रेस भाजपा आम आदमी पार्टी सहित चार निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव मैदान में है ।

नाम वापसी के अंतिम दिन 12 नाम निर्देशन पत्र उठाए गए

नगरीय निकाय चुनाव पार्षद पद उम्मीदवारी के लिए 87 नामांकन पत्र दाखिल हुए थे जांच के दौरान 3 निरस्त हुए 84 उम्मीदवार शेष बचे थे नाम वापसी के दिन 12 उम्मीदवारों ने अपने नाम निर्देशन पत्र वापस ले लिए हैं अब 72 प्रत्याशी बचे हुए हैं एक प्रत्याशी निर्विरोध होने पर 71 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं द्य नाम निर्देशन पत्र उठाने वालो मैं जवाहर वार्ड से सायरा बी, सुषमा साहू, इंदिरा वार्ड से बीरेंद्र कौरव, पटेल वार्ड से मेघराज कोरी राजेंद्र बाबू वार्ड से मनोहर लाल, महाराणा प्रताप वार्ड से सूर्या रैकवार, भाभा वार्ड से शरद वर्मा, माता वार्ड से लक्ष्मी जाटव, मीराबाई जाटव, जगदीश वार्ड से आकांक्षा रावत, निरंजन वार्ड से कला बाई जाटव, नरसिंह वार्ड से पूजा छीपा प्रमुख हैं ।

कर्मी से ना लिया जाए टोल टैक्स

पनागर, (यशभारत)। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के तहसीलअध्यक्ष शैलेश गौतम ने बताया है कि जबलपुर शहर के चारों ओर सरकार ने टोल नाके स्थापित किए हुए हैं।

जिसके कारण मतदान दल कर्मियों को ट्रेनिंग के दौरान आने-जाने में भारी टोल टैक्स चुकाना पड़ रहा है।और मतदान कार्य में लगे शासकीय कर्मचारियों के लिए आने जाने के लिए किसी भी प्रकार के संसाधन उपलब्ध नहीं करवाया गया है। प्रशासनिक आदेश के तहत जबलपुर शहर से 50 से 60किलोमीटर की दूरी में पंचायत चुनाव में लगे मतदान कर्मियों को जबलपुर जिले की विभिन्न तहसीलों में ट्रेनिंग के बाद मतदान कर्मियों को अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए चुनाव भी संपन्न कराना है।संघ के नरेश शुक्ला,शैलेश गौतम,प्रशांत सोंधिया, अभिजीत कृष्ण त्रिपाठी ,राजेन्द्र त्रिपाठी, अर्जुन सोमवंशी ,स्वदेश जैन , रघुवीर सिंह बरकड़े ,ललित डेहरिया ,अजीत वर्मा,प्रतिपाल विर्दी* ,आदि ने पंचायत चुनाव में शासकीय कर्मचारियों का अमला मतदान दल की चुनाव ट्रेनिंग के बाद चुनाव के दिन में लगे कर्मचारियों के मुख्यालय से कर्तव्य स्थल तक के बीच में पड़ने वाले टोल नाका में टोलटैक्स फ्री किये जाने की मांग संघ ने प्रशासन से की हैं।

पमरे के इटारसी, जबलपुर, कटनी एवं सतना में रहेगा ठहराव

जबलपुर यश भारत ।रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए गाडी संख्या 05119 चेन्नई सेंट्रल-बनारस (एक तरफा) स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। जो कि पश्चिम मध्य रेल से होकर गुजरेगी। गाडी गाडी संख्या 05119 चेन्नई सेंट्रल-बनारस स्पेशल ट्रेन 23.06.2022 को चेन्नई सेंट्रल स्टेशन से प्रातः 05-15 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन इटारसी 07-40 बजे, जबलपुर 11-15 बजे, कटनी 12-35 बजे, सतना 14-00 बजे और 21-00 बजे बनारस स्टेशन पहुंचेगी । कोच कंपोजीशन- इस गाडी में 10 शयनयान श्रेणी, 04 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 02 एसएलआरडी सहित कुल 16 कोच रहेंगे।गाडी के हाल्ट-रास्ते में यह गाडी गुडूर, नेल्लोर, ओंगोल, विजयवाडा, वारंगल, रामागुंडम, सिरपुर कागजनगर, बल्लारशाह, चंद्रपुर, सेवाग्राम, नागपुर, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, प्रयागराज जंक्शन एवं ज्ञानपुर रोड स्टेशनों पर रुकेगी।

मंदिर के सामने लगा हैंडपंप सुधार कार्य के इंतजार में

गाडरवारा(यश भारत) शक्कर नदी मोहल्ले में खेडापति माता का मंदिर एवं चांद शाह वली की दरगाह पर दर्शनार्थियों का आना जाना लगा रहता है मंदिर के सामने लगा हुआ हैंड पंप कई महीनों से बंद पड़ा हुआ है इसके अलावा नगर में और भी कई हैंडपंप उचित रखरखाव न होने के कारण बंद पड़े हुए हैं नगर पालिका परिषद द्वारा हैंडपंप का सुधार कार्य नहीं कराया जा रहा है जिसके चलते अनेक हैंडपंप शोभा की सुपारी बने हुए हैं कई बार खेरापति मंदिर के पास बंद पड़े हैंड पंप की शिकायत वहां के निवासियों के द्वारा नगर पालिका परिषद से की जा चुकी है बावजूद इसके नगर पालिका परिषद द्वारा अभी तक उक्त हैंडपंप का सुधार कार्य तक नही किया गया । वहां निवासरत लोगों ने मांग की है कि खेरापति माता मंदिर के सामने बंद पड़े हैंडपंप का सुधार कार्य कर शीघ्र चालू कराया जाए जिससे कि हैंडपंप बंद होने से धर्म प्रेमी जनता को जो परेशानी हो रही हैं उस से निजात मिल सके ।

सराफा के महाराजा का गुणगान कर भक्तिभाव से की महाआरती

गोटेगांव, यशभारत। विगत दिवस स्थानीय सराफा बाजार स्थित श्री हनुमान मंदिर में सराफा के महाराजा श्री हनुमानजी महाराज की साप्ताहिक महाआरती का प्रत्येक मंगलवार को आयोजन धूमधाम हर्षोल्लास में वातावरण में किया जा रहा है इसी तारतम्य में मंदिर के मुख्य पुजारी दशरथ दुबे घनश्याम दुबे के आचार्यत्व में मुख्ययजमान मणिनागेन्द्र सिंह मोनू पटेल एवं स्वप्निल विक्की तिवारी द्वारा पूर्ण विधि विधान वैदिक मंत्रोच्चारण से पूजन अर्चन किए जाने के उपरांत सामूहिकरूप से श्रीहनुमान चालीसा पाठ कर सुमधुर संगीतमय धुन पर भक्तिभाव श्रद्धापूर्वक नाचते झूमते हुए महाआरती किए जाने के पश्चात उपस्थितजनों को महाप्रसाद वितरित किया गया। एवं समिति द्वारा युवा नेता मणिनागेंद्र सिंह मोनू पटेल स्व का भगवान हनुमान जी का चित्र एवं शाल श्रीफल से

सम्मान किया गया इस अवसर पर नीरज कुमार पंकज कुमार खरया, चंद्रशेखर खरया, सत्यप्रकाश अग्रवाल टिंकू, अजित खरया ,पंकज खरया, पूनम अग्रवाल, टिल्लू अग्रवाल, राकेश केशरवानी, धीरज पगारे, आनंद अग्रवाल, मनीष केशरवानी, धरमचंद गुप्ता, रोमी खरया, सौरभ खरया, कंचे सोनी, ओमप्रकाश साहू, कौमी अग्रवाल, इलू अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, गौरी अग्रवाल, लकी सोनी, पिंकी अग्रवाल, शरद सोनी, गणेश सोनी, अजीत गुप्ता, अनु

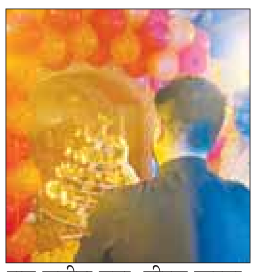

राय सतीश गुप्ता, नीरज खरया, नीरज सोनी जीराग खरया, रितिक जैन, प्रांशु जैन, नारायण गुप्ता, रितेश पांडे,नवीन जैन, संजय जैन, हर्ष अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक व्यापारीबंधु उपस्थित थे।

पमरे मुख्यालय में रेलवे के लिए स्टार्टअप की शुरुआत हेतु महाप्रबंधक के साथ बैठक

जबलपुर यश भारत। भारतीय रेलवे ने स्टार्ट-अप और अन्य संस्थाओं की भागीदारी के माध्यम से नवाचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल की है। जिसका उद्देश्य भारतीय स्टार्टअप्स/एमएसएमई/इनोवेटर्स/उद्यमियों द्वारा भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सरक्षा में सुधार के लिए विकसित नवीन तकनीकों का लाभ उठाना है। पश्चिम मध्य रेल के मुख्यालय में महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता की अध्यक्षता मे रेलवे के लिए स्टार्टअप की शुरुआत हेतु इनोवेटर्स/उद्यमियों के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें भारत सरकार की नई भारतीय रेलवे नवाचार नीति - रेलवे के लिए स्टार्टअप नीति के विभिन्न पहलुओं और सरकार द्वारा दी जा रही प्रावधानों, प्रोसेस, टाइम लाइन एवं विशेष रियायतों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। इस बैठक में पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय के अपर महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी, प्रमुख विभागाध्यक्ष एवं मण्डल रेल प्रबंधक जबलपुर संजय विश्वास उपस्थित रहे। इसके साथ ही लगभग 25 इनोवेटर्स/उद्यमियों ने भी बैठक में भाग लिया और रेलवे के लिए स्टार्टअप नीति पर सार्थक चर्चा कर नीति की बारीकियों को बताया। जिसमें कुछ मौजूदा इनोवेटर्स/उद्यमियों ने इस नीति के तहत रेलवे की परिचालन दक्षता और सुरक्षा में सुधार के लिए विकसित नवीन तकनीकों को विकसित करने में रूचि दिखाई है। इस बैठक में महाप्रबंधक ने कहा कि इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्टार्ट अप को रेलवे से जुड़ने का अच्छा अवसर मिलेगा। इस कार्यक्रम के चरण-1 के लिए रेलवे के मंडलों एवं यूनिट्स से प्राप्त 11 समस्याओं जैसे रेल फ्रैक्चर, हेडवे रिडक्शन इत्यादि को लिया गया है। इन समस्याओं का नवीन समाधान खोजने के लिए स्टार्टअप्स के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। इस स्टार्टअप नवाचार के पहले चरण की प्रक्रिया को 90 दिनों में पूर्ण कर ली जाएगी ।

नवोन्मेषकों को रेलवे में तकनीकी समाधान के लिए 1.5 करोड़ रुपये तक की अनुदान राशि समान बंटवारे के आधार पर मुहैया कराई

जाएगी। रेलवे डिवीजनों/इकाइयों में अवधारणा का प्रमाण।नवोन्मेषकों का चयन एक पारदर्शी और निष्पक्ष प्रणाली द्वारा किया जाएगा।रेलवे में प्रोटोटाइप का ट्रायल किया जाएगा। प्रोटोटाइप के सफल प्रदर्शन पर उसे आगे बढ़ाने के लिए आगे की धनराशि प्रदान की जाएगी।

प्राचीन भारतीय परंपरा एवं संस्कृति की अमूल्य देन है योग

जबलपुर,यशभारत। शासकीय महाकोशल कला एवं वाणिज्य स्वशासी महाविद्यालय जबलपुर में क्रीड़ा विभाग, एनसीसी एवं एनएसएस के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का उच्च शिक्षा विभाग जबलपुर संभाग के ओएसडी डॉ. पवन तिवारी, डॉ. सुनील वाजपेयी, डॉ. अजय गुप्ता, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के संभागीय नोडल अधिकारी प्रो. अरुण शुक्ल एवं प्राचार्य डॉ.ए.सी. तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य एवं अतिथियों द्वारा हमारे प्रेरणास्त्रोत महापुरुष स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात् स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, संभागीय नोडल अधिकारी प्रो. अरुण शुक्ल ने कहा कि योग व्यक्ति के शरीर, मन, भावना एवं ऊर्जा के स्तर पर कार्य करता है। ओ.एस.डी. सुनील वाजपेयी ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुये कहा कि योग प्राचीन भारतीय परंपरा एवं संस्कृति की अमूल्य देन है। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अपने संबोधन में सभी अभ्यास कर्त्ताओं से कहाकि स्वास्थ्य और कल्याण के लिए हमें प्रतिदिन योग करना चाहिये। कार्यक्रम में 75 विद्यार्थियों ने महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारियों के साथ अपनी सहभागिता की। क्रीड़ा अधिकारी डॉ. ज्योति जुनगरे के मार्गदर्शन में योग प्रशिक्षक श्रीमति अवनी गोलवरकर एवं श्रीमति प्रियंका श्रीवास्तव के द्वारा योगाभ्यास कराया गया। प्रातः 6:15 बजे सभी महाविद्यालय में उपस्थित हुये तत्पश्चात् 06:30 बजे से 06:40 बजे तक सभी अभ्यास कर्ताओं ने माननीय मुख्यमंत्री जी के संदेश को आकाशवाणी के माध्यम से सुना। इसके बाद प्रातः 06:40 से 07:00 बजे तक प्रधानमंत्री के संदेश को भी आकाशवाणी के माध्यम से सुना। उन्होनें स्वस्थ रहने के लिए जीवन में प्रतिदिन योग को आत्मसात करने की बात की। मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के संदेश प्रसारण के बाद प्रातः 07:00 बजे से 08:30 बजे तक सामान्य योग अभ्यास योग प्रशिक्षकों द्वारा करवाया गया। जिसमें सर्वप्रथम सूक्ष्म व्यायाम करवाये गये। जिसमें नाड़ासन, वृक्षासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन, शलभासन, मकरासन, सेतुबंधासन, पवनमुक्तासन, शवासन का अभ्यास किया गया। अगले क्रम में कृपाल भारती, प्राणायाम, अनुक्रोम विलोम, प्राणायाय, भ्रामरी प्राणायाम एवं ध्यान किया गया। संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. ज्योति जुनगरे ने किया।

करे योग, रहें निरोग

जबलपुर,यशभारत। अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय में योग दिवस का आयोजन किया गया । प्राचार्य फादर वल्लन अरास के निर्देशन में 200 छात्र-छात्राओं ने योग का लाभ उठाया ।आयोजन पंतजलि विद्यापीठ से पधारे योग गुरु किशोर कुमार साहू, ज्योति गुप्ता, डॉ गोपाल पटेल के संयोजन में आयोजित हुआ । कॉलेज कैम्पस में आयोजित कार्यक्रम में रासेयो एन.सी.सी., खेल विभाग की छात्र छात्राओं ने योग कर स्वास्थ्य लाभ उठाया । प्राध्यापकों में

डॉ सोनल जैन ,अभिलाषा शुक्ल, डॉ अखिलेश पाठक, सत्येन्द्र जैन, डा हरीश दुबे, डॉ.प्रतिभा दुबे का सहयोग प्राप्त हुआ । सौम्या पटेल, अनुश्री सिमरन, मनमवी श्रीकांत, साहिल, आदित्य, तेजस्वनी, यशा, खुशी, वैशाली व सृष्टि का सहयोग प्राप्त हुआ।

नाला-नालियों की सफाई देखने कई क्षेत्रों में पहुँचे कलेक्टर और निगमायुक्त

मदन महल पहाड़ी पर प्रस्तावित पौधा रोपण कार्यक्रम की तैयारियों का भी लिया जायजा

जबलपुर,यशभारत । वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए नागरिकों को जलभराव की समस्या से निजात दिलाने कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी एवं निगमायुक्त आशीष वशिष्ठ की नाला नालियों की सफाई अभियान पर पैनी नजर है। सफाई अभियान पर स्वयं प्रतिदिन कलेक्टर एवं निगमायुक्त निगरानी रखे हुए हैं। आज शाम को भी कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी एवं निगमायुक्त आशीष वशिष्ठ द्वारा शहर के कई क्षेत्रों में नाला नालियों की सफाई अभियान की जानकारी ली।

इस अवसर पर कलेक्टर द्वारा क्षेत्रीय नागरिकों से भी वर्षाजल निकासी व्यवस्था तथा नाला नालियों के सफाई अभियान के संबंध में चर्चा की गयी तथा उनसे सुझाव लिये गए। कलेक्टर ने सर्वप्रथम संभाग क्रमांक-1 गढ़ा एवं संभाग क्रमांक-2 कछपुरा के अंतर्गत आने वाले सभी वार्डो, कॉलोनियों का निरीक्षण किया और सफाई अभियान के साथ-साथ वर्षा जल निकासी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारी द्वय ने स्वास्थ्य अमले के साथ-साथ वर्षाकाल के दौरान आपदा प्रबंधन व्यवस्था में कार्यरत अन्य सभी अधिकारियों कर्मचारियों को भी निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्रों में रहकर

वर्षाकाल के दौरान अतिवृष्टि की स्थितियों पर नजर रखेगें और आवश्यकतानुसार संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों में टीम की तैनाती कर कार्यवाही सुनिश्चित करेगें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि आम नागरिकों से भी यदि जलभराव होने की सूचना प्राप्त होती है तो सूचना प्राप्त होने के तत्काल बाद टीम को पहुँचाकर निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित कराएंगे। कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी एवं निगमायुक्त आशीष वशिष्ठ द्वारा नाला नालियों के सफाई अभियान की जानकारी लेने के उपरांत मदन महल पहाड़ी क्षेत्र का भी निरीक्षण किया गया जहाँ पर 20 हजार से अधिक विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाये जाना है। निरीक्षण के मौके पर उन्होंने पौधा रोपण कार्यक्रम की तैयारियों की संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली और विभिन्न प्रजातियों के छायादार, फलदार एवं औषधिय बड़े उच्च क्वालिटी के पौधे लगाने के निर्देश दिये। निरीक्षण के मौके पर स्वास्थ्य अधिकारी के साथ-साथ अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

नर्मदा परिक्रमा कर चार महीने बाद लौटे, हुआ स्वागत

जबलपुर,यशभारत। नर्मदा परिक्रमा कर चार महीने बाद लौटे परिक्रमावासियों का जोरदार स्वागत किया गया ।संदीप सोधिया,प्रिया शर्मा नर्मदा यात्रा में गई थी, । स्वागत करने वालों में रामनिवास गौतम,बालकिशन पटेल,संदीप पटेल पप्पू,संतोष सैनी,गनेश पटेल,सतीश यादव,अनूप श्रीपाल,सचिन पटेल,दुर्गेश बर्मन, संदीप रैदास सहित अन्य जन उपस्थित रहे।

मृदा स्वास्थ्य बनाए रखते संतुलित एवं दक्ष उर्वरकों का उपयोग आवश्यक- डॉ. मिश्र

जबलपुर, यशभारत। भा.कृ.अनु.प. - खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर में राष्ट्रीय अभियान के तहत उर्वरको का दक्ष एवं संतुलित उपयोग (नैनो उर्वरकों सहित) कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें ग्राम बरौदा एवं चौबे उमरिया के कृषक बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. जे.एस. मिश्र, निदेशक ने अपने उद्बोधन में सभी को अंतराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी एवं कृषको को मृदा स्वास्थ्य बनाए रखते हुए संतुलित एवं दक्ष उर्वरकों के उपयोग एवं नैनो उर्वरको के उपयोग की जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि मृदा से उपस्थित 17 पोशक तत्वो की आवश्यकता

फसल की अच्छी पैदावार व मृदा को उपजाऊ बनाये रखने हेतु होती है। मृदा स्वास्थ्य से ही पौध स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य, मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण स्वास्थ्य को बनाये रखा जा सकता है अतः उर्वरको एवं अन्य कृषि रसायनो का संतुलित उपयोग आवश्यक है।प्रमुख वक्ता डॉ. के के बर्मन, प्रधान वैज्ञानिक ने कृषकों को उर्वरकों के संतुलित मात्रा में उपयोग, कम्पोस्ट खाद, हरी खाद, जैविक खाद के उपयोग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी तथा किस तरह संतुलित मात्रा में खाद का उचित उपयोग कर हम मृदा के स्वास्थ्य को बनाए रखते हुए अधिक पैदावार प्राप्त कर सकते है।डॉ. वी.के. चौधरी, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम संयोजक ने कृषको को बताया कि खेतो मे जल प्रबंधन एवं खरपतवार प्रबंधन में उर्वरको की दक्षता को कैसे बढ़ाया जावे एवं उर्वरक उपयोग के प्रमुख पद्वति के बारे में जानकारी प्रदान की।कार्यक्रम के अगले चरण में कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा के अर्न्तगत उनकी समस्यायों एवं निराकरण पर चर्चा कीगई। इस अवसर पर सभी कृषको को फारमर फर्स्ट परियोजना के अर्न्तगत संकर धान के बीजों का वितरण किया।कार्यक्रम के अंत में दिवाकर राय, वैज्ञानिक मृदा विज्ञान द्वारा कार्यक्रम में पधारे सभी कृषकों, वैज्ञानिको अधिकारियों एवं कर्मचारियो का आभार व्यक्त किया गया।

नगर निगम चुनाव 12 दिन शेष

हर मतदाता तक पहुंच बनाने में जुटे प्रत्याशी

जबलपुर,यशभारत। नगर निगम चुनाव को लेकर नामांकन वापसी की प्रक्रिया के बाद अब महापौर व पार्षद प्रत्याशियों के पास सिर्फ 12 दिन का समय शेष रह गया है। इन 12 दिनों में ही प्रत्येक प्रत्याशी को न केवल अपने वार्ड की हर एक मतदाता तक पहुंचने की चुनौती है वही कई वार्डों में बागी प्रत्याशी मैदान में रहकर सीधी टक्कर देकर समीकरण बिगाड़ने में लगे हैं। उन प्रत्याशियों को कैसे मैनेज किया जाए यह भी एक बड़ी चुनौती है।

प्रमुख राजनीतिक दलों में बागी चुनाव मैदान में रहकर अपनी ही पार्टी के लिए नई मुसीबत बन गए हैं। अब देखना यह है कि बगावत करने वाले प्रत्याशी कितने सफल होते हैं या सिर्फ वोट काटने तक ही सीमित रह जाते हैं। बुधवार को नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद महापौर पद के लिए जहां अब 11 प्रत्याशी चुनाव मैदान में शेष रह गए हैं वहीं नगर के 79 वार्ड में 364 उम्मीदवार अपना भाग आजमा रहे हैं। इन उम्मीदवारों में राजनीतिक दलों के अलावा बागी और निर्दलीय प्रत्याशियों की भी बड़ी संख्या है चुनाव मैदान में शेष रह गए प्रत्याशियों को चुनाव के लिए आवंटित कर दिए गए हैं। शहर के कई वार्ड में त्रिकोणी मुकाबले की स्थिति बन गई है जिसका सीधा नुकसान कांग्रेस-भाजपा के उम्मीदवारों को हो सकता है। कांग्रेस और भाजपा को छोड़कर यदि दूसरे राजनीतिक दलों की बात की जाए तो सपा ,बसपा शिवसेना ,आम आदमी पार्टी ,जनता दल ने भी अपनी प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। हालांकि राजनीतिक जानकारों का मानना है कि निर्दलीय और दूसरे दलों के प्रत्याशी केवल वोट कटवा साबित होंगे। वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया दोबारा होने के बाद अनेक वार्ड में समीकरण गड़बड़ा गए हैं इसलिए अभी

कुछ कहना जल्दबाजी होगी कि जीत का सेहरा किसके सिर पर होगा अब जबकि बुधवार 22 जून को नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव का दूसरा एवं अह्म पड़ाव पूरा हो गया है। अब सीधे मतदाता से रू-ब-रू होने की बारी है जो प्रत्याशी और उनके समर्थक इन बाकी बचे हुए दिनों में मतदाता के बीच अपनी पैठ बना लेंगे हैं तो उनकी सफलता को लेकर जरूर अच्छी संभावनाएं बन सकती हैं। प्रत्याशियों की चयन प्रक्रिया के बाद अब हर वार्ड के प्रत्याशी इसी कवायद में लग गए हैं कि वे ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं से सीधा संपर्क बना पाए। यदि महापौर पद की बात की जाए तो इसमें सीधा मुकाबला कांग्रेस के जगत बहादुर सिंह अन्नू और भारतीय जनता पार्टी के डॉ.जितेन्द्र जामदार के बीच है। यदि निर्दलियों को छोड़ भी दिया जाए तो प्रमुख राजनीतिक दल से जुड़े कई प्रत्याशियों ने नाम वापस लेकर अधिकृत प्रत्याशियों की परेशानीकम कर दी है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ही प्रमुख दलों ने चुनावी रणनीति के तहत अपने विधायकों और वरिष्ठ नेताओं के साथ मंथन कर उन्हें प्रत्याशियों को जिताने के लिए ना केवल जिम्मेदारियां सौंप दी हैं बल्कि वरिष्ठ नेताओं को यह भी कहा गया है कि वे खुद मैदान में उतर कर प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित कराएं साथ ही प्रत्येक वार्ड के कार्यकर्ताओं को भी एकजुट करें जिससे पार्टी प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित हो सके। बहरहाल दोनों ही दलों के प्रत्याशी सुबह से लेकर देर रात तक प्रचार में जुटे हैं।

सी.एम.राईज विद्यालय के शिक्षकों को नहीं मिली चुनाव से राहत

सी.एम.राईज के शिक्षकों चुनाव कार्य से रखा जाए मुक्त

जबलपुर,यशभारत। सी.एम.राईज विद्यालय के शिक्षकों को चुनाव कार्य से मुक्त रखने की मांग म.प्र. तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने की है। संघ ने ताया कि म.प्र.शासन की महत्वकांक्षी योजना के तहत पूरे प्रदेश में सी.ई.राईज विद्यालयों का सत्र 2022-23 में उदय हो चुका है,तथा इन विद्यालयों में चयनित शिक्षकों/अध्यापकों का पदांकन कर दिया गया है। प्रमुख सचिव म.प्र.शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी कलेक्टरों पत्र जारी कर लेख किया गया था, कि सी.एम.राईज विद्यालयों में पदस्थ शैक्षणिक अमले को चुनाव कार्य से मुक्त रखा जाये, इसके बाद भी दर्जनों शिक्षकों/अध्यापकों को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव एवं निगरीय निकाय में डयूटी लगा दी गई है। शासन के इतने स्पष्ट आदेश होने के बाद भी सी.एम.राईज विद्यालय के शिक्षकों को चुनाव कार्य लगाया जाना समझ से परे है।संघ योगेन्द्र दुबे, अर्वेन्द्र राजपूत, अवधेश तिवारी, अटल उपाध्याय,

सुरेन्द्र जैन, मुकेश सिंह, मंसूर बेग, आलोक अग्निहोत्री, आशुतोष तिवारी, दुर्गेश पाण्डे, बृजेश मिश्रा, सुनील राय, राजकुमार सिंह, अभिषेक मिश्रा, सोनल दुबे, देवदत्त शुक्ला, पवन ताम्रकार, विनय नामदेव, संतोष तिवारी, महेश कोरी, श्यामनारायण तिवारी, मनोज सेन, मनीष लोहिया, मनीष शुक्ला, प्रियांशु शुक्ला, बृजेश गोस्वामी, सतीश पटैल, प्रशांत शुक्ला, मो.तारिख, धीरेन्द्र सोनी आदि ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी से मांग की है कि शासन के आदेशों के अनुक्रम में सी. एम.राईज विद्यालयों में पदस्थ अमले को चुनाव कार्य से मुक्त रखा जाये।

ग्रामीणक्षेत्र के लोकसेवकों को भी मतदान का अवसर मिले

जबलपुर,यशभारत। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संघ ने मांग की है कि ग्रामीणक्षेत्र के लोकसेवकों को भी मतदान का अवसर मिलना चाहिए। जिला अध्यक्ष रॉबर्ट मॉर्टिन द्वारा ने बताया कि मतदान भारतीय नागरिक का मौलिक अधिकार है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में कुछ ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी अपने मताधिकार से वंचित रह जायेंगे क्योंकि वे जिस दिवस किसी दूसरे स्थान पर मतदान दल के सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे होंगे उसी दिवस उनके ग्रामीण क्षेत्र के उनके निवास स्थान पर भी मतदान हो रहा होगा और वे अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं कर पाएंगे।जैसे जानकारी के अनुसार बरगी निवासी लोकसेवकों को दूसरी तहसील में उसी दिन मतदान संपन्न करवाने जाना है जिस दिन उनके निज निवास स्थान बरगी में मतदान होना है।ऐसा ही कई अन्य तहसीलों के अधिकारीयों एवं कर्मचारीयों के साथ हो रहा है। संघ के रॉबर्ट मॉर्टिन,दिलीप सिंह ठाकुर,स्टेनली नॉर्बट,हेमंत ठाकरे,शहीर मुमताज,राकेश श्रीवास,दिनेश गौ?,योगेश ठाकरे,आसाराम झारिया,समर सिंह,आर पी खनाल,धर्मेंद्र परिहार,रामकुमार कतिया,संदीप परिहार,विश्वनाथ सिंह,आकाश भील,राशिद अली,त्रिलोक सिंह,सुधीर अवधिया,नितिन तिवारी, इत्यादि ने निर्वाचन अधिकारी एवं प्रशासन से उचित कार्यवाही तथा लोकसेवकों के प्रति

सुशिक्षा से ही विश्वशांति सम्भव : आचार्य विशुद्ध सागर

श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का समापन

जबलपुर,यशभारत। संजीवनी नगर गढ़ा में आचार्य विशुद्ध सागर के सानिध्य में चल रहे श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का आज मोक्ष कल्याणक के साथ समापन हो गया। आचार्य विशुद्ध सागर ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि ज्ञान सुख का कारण है। सुशिक्षा से ही विश्वशांति सम्भव है। उन्होंने कहा कि ज्ञानियों के सम्पर्क से यश, प्रज्ञा, ज्ञान, सम्मान की वृद्धि होती है। यज्ञ के पांचवे दिन ज्ञान कल्याणक का आयोजन हुआ। महामुनि आदिनाथ की राजा-श्रेयांस व राजा सोम के राजमहल में आहारचर्या के अलौकिक दृश्य ने उपस्थितजनों का मन मोह लिया। महोत्सव में एक हजार श्रावकों ने मुनि आदिनाथ को आहार दिया। इससे पूर्व मंगलाष्टक, दिग्बंबधन, रक्षामंत्र, अभिषेक, शांतिधारा व तप-कल्याणक पूजन के विधान हुए। मुनि आदिनाथ की आहारचर्या हुई। इसका सौभाग्य राजा श्रेयांस व राजा सोम केपात्रों क्रमशः सुनील दानी व प्रकाशचंद्र को मिला। आचार्य विशुद्ध सागर का पाद प्रक्षालन जाप मंडल सदस्य शिखरचंद व सत्येंद्र कुमार ने किया। प्रतिष्ठाचार्य जयशंकर, निशांत व ब्रह्मचारी प्रदीप पीयूष ने विविध अनुष्ठान कराए। दोपहर को ज्ञानकल्याणक के उत्तरार्द्ध का पूजन हुआ। आचार्यश्री ने सूरी मंत्र प्रदान किया। शाम को महाआरती हुई, जिसका सौभाग्य प्रमोद बाहुबली परिवार कोमिला। रात को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में ऐसी थी चन्दनबाला नाटक का मंचन किया गया।

ओएफके ए जी एम अमित सिंह पदोन्नत

हजरतपुर सुरक्षा निर्माणी के महाप्रबंधक बने

जबलपुर यशभारत। आयुध निर्माणी खमरिया(म्युनिशन इंडिया लिमिटेड) में पदस्थ अपर महाप्रबंधक अमित सिंह को पदोन्नति देकर महाप्रबंधक बनाया गया है।इस आशय के आदेश गत दिवस आयुध निदेशालय(समन्वय एवं सेवाएं)द्वारा जारी किए जा चुके हैं।उनकी पदस्थापना ट्रुप कम्फर्ट इंडिया लिमिटेड के तहत आने वाली सुरक्षा निर्माणी हजरतपुर में की गई है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय से खमरिया में पदस्थ रहे श्री सिंह ने आयुधों के विकास में अपना अहम योगदान दिया है।इसके साथ ही हाईटेक औद्योगिक केंटीन और जूनियर क्लब मील के पत्थर है। जनसंपर्क अधिकारी के रूप में मीडिया हाऊस से जीवंत संपर्क रहा है।24जून को ओएफके से मुक्त होकर जल्द ही हजरतपुर निर्माणी जाकर नया दायित्व सम्हालेंगे। उनकी पदोन्नति पर अधिकारियों यूनियनों और एसोसिएशनों ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा संतुलित उर्वरकों के उपयोग हेतु किसानों को किया जागरूक

जबलपुर ,यशभारत। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार की प्रेरणा तथा संचालक विस्तार सेवायें डॉ. डी.पी. शर्मा के निर्देशानुसार व कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला के मार्गदर्शन में विचार गोष्ठी आयोजित की गई जिसमें ''उर्वरकों का संतुलित उपयोग'' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद भारत सरकार नई दिल्ली के निर्देशानुसार कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संचालन में केन्द्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. ए.के. सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही तथा उन्होंने किसानों को संतुलित उर्वरकों की उपयोगिता एवं महत्ता के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक शस्य विज्ञान डॉ. एस.बी. अग्रवाल ने फलोत्पादन में संतुलित उर्वरकों की भूमिका की जानकारी दी। इसी कड़ी में विचार गोष्ठी का आयोजन भी किया गया जिसमें संतुलित उर्वरकों के उपयोग की तकनीक के साथ-साथ नैनों यूरिया का उपयोग, सुक्ष्म पोषक तत्वों की महत्ता तथा उपयोग सहित गिरते मृदा स्वास्थ्य पर भी चर्चा की गयी।इस अवसर पर केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. यतिराज खरे, डॉ. नीलू विश्वकर्मा, डॉ. अक्षता तोमर, डॉ. निहारिका शुक्ला, डॉ. पूजा चतुर्वेदी एवं डॉ. नेहा शर्मा आदि उपस्थित रहकर परिचर्चा में भाग लिया तथा कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

25 तक सताएगी उसम भरी गर्मी

जबलपुर, यशभारत। मानसून की बेरुखी से सूरज का तेज एक बार फिर महसूस किया जाने लगा है। चटख धूप और उसम भरी गर्मी लोगों के पसीने छुड़ाने लगी है। चार किमी प्रतिघंटे से चली दक्षिणी नम हवाओं से वातावरण में नमी घुलने और तेज धूप से उसम का अहसास बढ़ने लगा है। मौसम विभाग के प्रभारी बीजू जैकब ने बताया कि फिलहाल मौसम के मिजाज सख्त ही रहेंगे। 26 जून से राहत की बूंदें फिर शहर को भिगोयेगी। वर्तमान में पश्चिमी विक्षोभ जम्मू के ऊपर चक्रवातीय परिसंचरण के रूप में सक्रिय है। वहीं पूर्व-पश्चिम ट्रफ दक्षिणी हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी तक विस्तृत है। साथ ही पश्चिमोत्तर राजस्थान के ऊपर प्रेरित चक्रवातीय परिसंचरण सक्रिय है। वैसे गुरुवार को पश्चिमी विक्षोभ के असर जबलपुर सहित संभाग के जिलों में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती है। वहीं 26 जून से जबलपुर सहित संभाग के जिलों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। विदित हो कि अभी तक जबलपुर में महज में अब तक 165 मिलीमीटर यानी छह इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। जबकि पिछले वर्ष अब तक सीजन में 82 मिलीमीटर यानी करीब तीन इंच ही बारिश हुई थी। गत वर्ष की तुलना में अभी तक तीन इंच ज्यादा बारिश हुई है। मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि इस सीजन में अच्छी बारिश की उम्मीद है।

दुर्गावती के बलिदान दिवस पर कल समाधि और प्रतिमा स्थल पर होंगे कार्यक्रम

जबलपुर,यशभारत। गढ़ा मंडला राज्य की वीरांगना रानी दुर्गावती का इस वर्ष 459 वां बलिदान दिवस 24 जून शुक्रवार को मनाया जाएगा। मित्र संघ एवं मिलन की रानी दुर्गावती स्मृति रक्षा अभियान समिति तथा नगर निगम एवं पुलिस विभाग के सहयोग से बारहा ग्राम स्थित समाधि स्थल तथा भंवरताल उद्यान सहित वीरांगना दुर्गावती के प्रतिमा स्थल पर बलिदान दिवस पर आयोजन होंगे। बलिदान दिवस के सभी आयोजन आदर्श आचार संहिता के परिपालन को ध्यान में रखकर होंगे। 24 जून को प्रात: 7:00 बजे ग्राम बारह में वीरांगना की समाधि पर पुष्पांजलि का कार्यक्रम होगा। पुलिस दल द्वारा पुलिस बैंड के साथ हर्ष फायर कर वीरांगना को सलामी दी जाएगी। इसके पश्चात वीरांगना को श्रद्धांजलि स्वरूप शपथ ग्रहण कराई जाएगी। शपथ के बाद मशाल प्रज्वलित होगी जिसे धावक दल लेकर भंवरताल उद्यान पहुंचेंगे। प्रात: 9:00 बजे भंवरताल उद्यान में धावक दल द्वारा लाई गई मशाल को प्रतिमा के सामने स्थापित किया जाएगा। इसके पश्चात वीरांगना की प्रतिमा पर पुष्पांजलि और श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। यहां भी पुलिस दल द्वारा बैंड की धुन के साथ हर्ष फायर कर सलामी दी जाएगी। बलिदान दिवस के उपलक्ष में नई पीढ़ी को वीरांगना के शौर्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य सांस्कृतिक कार्यक्रम और मैराथन दौड़ का आयोजन भी किया जाएगा।

गूँज का आयोजन- अमृत अभिषेक कल

*लोकगंधर्व गायक प.रुद्रदत्त दुबे के कलाजीवन के साठ वर्ष पूर्ण होने पर स्वामी सुबुध्दानंद महाराज के सानिध्य में होगा आयोजन

जबलपुर,यशभारत। कविवर,शिक्षाविद पं.अजय शर्मा 'गूंज' स्मृति मंच के तत्वावधान में, देश-विदेश में भारतीय लोक संगीत की पताका फहराने वाले लोकगंधर्व गायक पं.रुद्रदत्त दुबे 'करूण' की कलायात्रा एवं आकाशवाणी में गायन के साठ वर्ष पूर्ण होने पर अमृत महोत्सव का आयोजन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ 24 जून को शाम 6.30 से शहीद स्मारक प्रेक्षागृह में आयोजित है।संयोजक माधुरी मिश्रा ने बताया कि स्वामी सुबुध्दानंद जी महाराज के सानिध्य में आयोजन की अध्यक्षता डॉ. कृष्णकांत चतुर्वेदी करेंगे।मुख्य अतिथि कुलपति कपिलदेव मिश्र होंगे।विशिष्ठ अतिथि डॉ. इलैयाराजा टी,डॉ. हरिशंकर दुबे,डॉ. बैजनाथ गौतम,डॉ. अभिजातकृष्ण त्रिपाठी,जादूगर एस.के निगम,संत पगलानंद जी, प्रतुल श्रीवास्तव,पंकज स्वामी होंगे।प्रथम चरण में विविध संस्थाओं द्वारा पंडित दुबे जी का संम्मान किया जाएगा।प्रथम चरण का संचालन राजेश पाठक प्रवीण करेंगे।द्वितीय चरण में गूँज संस्थाके द्वारा फिल्मी गीतों की संगीतमय प्रस्तुति की जाएगी।जिसके गायक कलाकार कुलजीतसिंह,डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव,दिलीप कोरी,सौम्या त्रिपाठी,परशुराम पटेल,अर्चना गोस्वामी,राजेश श्रीवास्तव,प्रियंका श्रीवास्तव,हेमराज चढ़ार, वैशाली दीवान होंगी।नृत्यगुरु मोती शिवहरे के निर्देशन में कला साधिकाएँ नृत्य प्रस्तुत करेंगी।गूँज ने सभी कलाप्रेमियों से उपस्थिति का आग्रह किया है।

मतदान कार्मिकों का दलवार द्वितीय प्रशिक्षण 27 से

जबलपुर,यशभारत। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन में उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा है कि नगरीय निकाय निर्वाचन-2022 के मतदान कार्मिकों का दलवार द्वितीय प्रशिक्षण 27 से 29 जून तक मानस भवन जबलपुर में नियत है। उक्त प्रशिक्षण के आदेश शनिवार, रविवार को सभी कार्यालयों में भेजे जायेंगे। अत: सभी कार्यालय प्रमुख इस कार्य के लिए व्यवस्था सुनिश्चित करें कि उक्त दिनों में कार्यालयीन समय के उपरांत भी निर्वाचन संबंधी डाक लेने हेतु जिम्मेवार शासकीय सेवकों की ड्यूटी लगायी जावे, ताकि निर्वाचन के अति आवश्यक आदेश समय में शासकीय सेवकों को प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि उक्त आदेश का कड़ाई से पालन किया जाये अन्यथा कार्यालय प्रमुख पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी।

दर्द न जाने कोय

पेट्रोल फूंक कर टोल टेक्स देकर जा रहे प्रशिक्षण में

ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान ड्यूटी में सुरक्षा निर्माणी अधिकारियों की तैनाती

जबलपुर यशभारत। शहर की सुरक्षा निर्माणियों के करीब एक हजार अधिकारियों को ग्रामीण और शहरीय निकायों के होने वाले चुनावों में तैनात किया गया है।शहरी क्षेत्रों में तैनात अधिकारियों को फिर भी कोई विशेष परेशानी नहीं है।लेकिन ज्यादा परेशानी उन्हें हो रही है जिनकी ड्यूटी दूर दराज ग्रामीण क्षेत्रों में लगाई गई है।एक तो जबलपुर के भूगोल से अपरिचित अधिकारियों को अंदर गावों मे वहां प्रशिक्षण के लिए जाना पड़ रहा है जहां उनकी मतदान ड्यूटी लगाई गई।इसके लिए निर्वाचन कार्यालय से कोई परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है। फलस्वरूप तैनात अधिकारियों को अपने वाहन से वहां जाना पड़ रहा है।इसके लिए ईधन में खर्च हो ही रहा है।इसके साथ रास्ते में पड़ने वाले टोल प्लाजा पर आनेजाने के दौरान पैसा खर्च करना पड़ रहा है।टोल नाके पर अधिकारी निर्वाचन अधिकारी का पत्र भी दिखा रहे हैं।लेकिन टोल कर्मी मानने तैयार नहीं है।बिना टोल टैक्स चुकाये आने जाने नहीं दे रहे हैं।हालांकि व्हीएफजे और जीसीएफ प्रबंधन ने निर्वाचन अधिकारी को अधिकारिक पत्र लिखा है।लेकिन परिवहन व्यवस्था नहीं हो सकी है।सुरक्षा निर्माणी के अधिकारियों का कहना है कि चुनाव आयोग के आदेश की नाफरमानी का तो सवाल ही नहीं है।लेकिन उन्हें आवश्यक सुविधाएं तो उपलब्ध कराई जाएं।उन्हें नहीं मालूम कि सहजपुर भमकी या बेलखेड़ा नगना कहां है।इसके लिए उन्हें 40 किलोमीटर दूर तक जाना पड़ रहा है। रास्ते में टोल नाके पर भुगतान तो करना ही पड़ रहा है साथ में आर टी ओ पुलिस द्वारा वाहन के सभी कागजातों के साथ प्रदूषण प्रमाण पत्र आदि दिखाने के लिए कहा जा रहा है।सब कुछ होते हुए भी किसी भी कमी के नाम पर जुर्माना के साथ उनकी जेब भी गर्म करना पड़ रही है।आश्चर्य की बात है कि टोल और आर टी ओ वाले कलेक्टर/निर्वाचन अधिकारी के आदेश को दिखाने के बाद भी उसे नहीं मान रहे हैं।

अक़ीदत के साथ निकला शाही संदल जुलूस

कचहरी वाले बाबा की दरगाह में आज, नात मनक़बत की मेहफिल सजेगी

जबलपुर ,यशभारत। हाईकोर्ट के सामने स्थित हज़रत कचहरी वाले बाबा की दरगाह में आयोजित 5 दिनी उर्स के दूसरे दिन दोपहर बाद नया मुहल्ला स्थित चाँद खां के मकान से अक़ीदत के साथ शाही संदल चादर जुलूस निकाला गया। सज्जादानशीन बाबर खां बंदा नवाज़ी एवं खादिमे आला चंगेज़ खान अशरफी ने जुलूस की कयादत फरमाई। जुलूस मे कव्वाल हज़रात सूफ़ियाना कलाम पेश करते हुए चल रहे थे। अक़ीदतमंद नजराना पेश कर रहे थे। गश्त करते हुए जुलूस साय दरगाह पहुंचा। दरगाह पर परम्परानुसार चादर पोशी की गई। नजरो न्याज़ के उपरांत लंगर तबरुंक तक़सीम किया गया। दरगाह में गुरुवार को रात्रि 9:30 बजे नात मनक़बत की मेहफिल सजाई जाएगी।

कृषि की नवीनतम तकनीक प्राप्त करने की ललक प्रत्येक किसान में होनी चाहिए-डॉ. बिसेन

जबलपुर,यशभारज। राष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत उर्वरकों का वह एवं संतुलित उपयोग विषय पर कार्यशाला सम्पन्न जबलपुर 22 जून। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय ने आजादी के 75वें अमृत महोत्स अंतर्गत कृषि महाविद्यालय जबलपुर के मृदा विज्ञान विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला एवं राष्ट्रीय अभियान उर्वरकों का यह एवं संतुलित उपयोग मैनो उर्वरकों के सहित विषय पर जवाहर जैव उर्वरक केंद्र में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं कुलपति डॉ प्रदीप कुमार बिसेन द्वारा संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा नवीनतम तकनीक, नयाचार एवं फसलों की उन्नत एवं महत्वपूर्ण किस्मों को विकसित करने का एक ही उदेश्य है हमारे किसान, प्रदेश एवं देश की उत्तरोत्तर उन्नति, प्रगति में सर्वोत्तम भागीदारी निमाते रहे। कार्यशाला में आए समस्त किसान बंधुओं से कुलपति जी ने अनुरोध किया कि आप विश्वविद्यालय के हर नवीनतम तकनीक एवं शोध से प्राप्त जानकारी को प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय में अपनी संपूर्ण जिम्मेदारी के साथ प्रयास करना चाहिए। विश्वविद्यालय का प्रत्येक वैज्ञानिक किसान के हित एवं विकास के लिए कार्य कर रहा है। स्वागत उद्बोधन एवं कार्यशाला की उपयोगिता एवं आवश्यकता विषय पर डॉ. एन. जी. मित्रा, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष मुदा विज्ञान विभाग ने अपनी

बात कही। विशेष अतिथि विश्वविद्यालय के प्रमंडल सदस्य डॉ. बृजेश अर्जरिया ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों के 15 से 20 वर्षों के सतत मेहनत एवं लगन का परिणाम है किसानों को नवीनतम तकनीक एवं उपयोगी शोध जानकारी प्राप्त होती है इसके साथ ही विशेष अतिथि इजी के. के. अग्रवाल ने कहा कि हमारा किसान हर तकनीक को अपनाकर स्वावलंबी बनना चाहता है एवं अपना घर परिवार एवं समाज में बेहतर स्थिति में कार्य करना चाहता है इस हेतु वैज्ञानिकों द्वारा निरंतर सहयोग से किसान प्रगति के पद पर अग्रसर है। संचालक प्रक्षेत्र डॉ. दीप पहलवान ने खेती की उन्नत तकनीक एवं प्रजनक बीज से संबंधित जानकारी प्रदान की इसके साथ ही कृषि महाविद्यालय जबलपुर के अधिष्ठाता डॉ. शरद तिवारी द्वारा संतुलित खाद एवं उर्वरक के उपयोग की बात कही। आगामी खरीफ मौसम में किसान भाई धान की उन्नत तकनीक एवं महत्वपूर्ण किस्मों की विस्तार से जानकारी डॉ. संजय सिंह द्वारा प्रदान की गई। संचालन डॉ. शेखर सिंह बघेल, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आभार प्रदर्शन डॉ. पी.एस. कुल्हाडे, प्रमुख वैज्ञानिक द्वारा किया गया। तकनीकी सत्र में किसानों को रासायनिक खादों के दक्ष एवं सतुलित उपयोग-नैनो उर्वरकों की उपयोग की जानकारी समन्वित पोषक तत्य प्रबंधन, जैव उर्वरक जैविक खेती से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी डॉ. एच. के. राय, प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. पी. एस. कुल्हाडे, डॉ. अमित उपाध्याय, डॉ. शेखर सिंह बघेल द्वारा प्रदान की गई। खेती के सर्वोत्तम आदान जवाहर जैव उर्वरक केंद्र में तैयार किए जा रहे 16 प्रकार के उत्तम गुणवत्ता एवं कम लागत के पर्यावरण अनुकूल वाले जैव उर्वरक की संपूर्ण जानकारी एवं केंद्र का भ्रमण किसानों को डॉ. राकेश साहू एवं बबलू यदुवंशी द्वारा कराया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. पी.के. बिसेन कुलपति एवं विशेष अतिथि डॉ. बृजेश अर्जरिया, प्रमंडल सदस्य द्वारा जवाहर जैव उर्वरक केंद्र में पौधारोपण किया गया। इस एक दिवसीय कार्यशाला के सफल बनाने में डॉ. राकेश साहू, बबलू यदुवंशी, विकास पटेल एवं राजकुमार काछी का विशेष योगदान रहा।

सभी पार्षद प्रत्याशियों का अन्नू सिंह ने विजय तिलक लगाकर किया स्वागत

राज्यसभा सांसद तन्खा ने संभाली कमान, चुनाव की बनाई रणनीति

जबलपुर,यशभारत। नगरीय निकाय चुनाव के प्रचार अभियान ने गति पकड़ ली है। कांग्रेस घर घर जनसंपर्क में जुटी है। बुधवार को नामांकन वापसी के आखिरी दिन पार्टी के असंतुष्टों ने अधिकृत कांग्रेस प्रत्याशी के साथ मिलकर काम करने का वादा किया। कांग्रेस के महापौर पद के प्रत्याशी जगतबहादुर अन्नू ने सभी 79 वार्डों के कांग्रेस प्रत्याशियों का विजय तिलक लगाकर किया स्वागत राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा ने पार्टी के बागी के रूप में खड़े हुए कई कांग्रेसी पार्षद पद के उम्मीदवारों से अलग अलग चर्चा की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और कांग्रेसियों के अधिकृत प्रत्याशियों के समर्थन में नामांकन वापस करवाए। श्री तन्खा ने चुनाव की कमान खुद संभालते हुए असतुष्टों को मनाया। इसके बाद सभी ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे अधिकृत कांग्रेस प्रत्याशी के साथ मिलकर काम करेंगे। इसके बाद उन्होंने पार्षद उम्मीदवारों और कांग्रेस विधायकों की गोपनीय बैठक ली। इस बैठक में क्या करना है, उनका फोकस किस बात पर रहेगा, चुनाव कैसे लड़ना है, अपनी बात जनता तक कैसे पहुँचानी है। इन सभी बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में विधायक तरुण भनोत, लखन घनघोरिया, विनय सक्सेना, संजय यादव सहित कांग्रेस से महापौर प्रत्याशी जगत बहादुर सिंह अन्नू शामिल थे। श्री तन्खा ने कहा कि सभी विधायक और वरिष्ठ नेता क्षेत्र में काम करना शुरू कर दें, किसी भी तरह का मन मुटाव न रहे। पार्षद प्रत्याशियों से कहा कि वे अपने साथ महापौर प्रत्याशी के लिए भी समर्थन माँगेंगे।

शहपुरा में निर्वाचन आयोग का डाटा लीक

साइबर कैफे में फोटोयुक्त मतदाता सूची मिली, कलेक्टर के पास पहुंचा मामला

जबलपुर, यशभारत। नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के बीच एक बड़ी गड़बड़ी शहपुरा जनपद में सामने आई है। यहां पर मप्र राज्य निर्वाचन आयोग का सबसे महत्वपूर्ण डाटा एक कम्प्यूटर की दुकान में पाया गया है। इसका खुलासा उस वक्त हुआ जब क्षेत्रीय कांग्रेस कार्यकर्ता संबंधित दुकान में चुनाव से संबंधित सामग्री निकलवाने पहुंचे थे। कार्यकर्ताओं ने देखा कि साइबर कैफे संचालक लोगों को फोटोयुक्त कलर मतदाता सूची प्रदान कर रहा है। क्षेत्रीय विधायक संजय यादव, नीलेश जैन, कांग्रेस वार्ड प्रत्याशी रामप्रकाश पटेल ने कलेक्टर को शिकायत करते हुए बताया कि पंचायत निर्वाचन 2022 के अंतर्गत नगर परिषद् शहपुरा (भिटौनी) जिला-जबलपुर की रंगीन फोटोयुक्त मतदाता सूची जो कि अति महत्वपूर्ण शासकीय डाटा है, यह डाटा साफ्टकॉपी के रूप में भाजपा पार्षद प्रत्याशियों के पास पहुँच गया है। यह डाटा पीएडएफ फाइल के रूप में चुनाव चिन्ह आवंटित होने के पूर्व ही पहुँच गया है, जिसका अनाधिकृत उपयोग किया जा रहा है।

ऐसे पकड़ी गई गलती

मंगलवार रात्रि में लगभग 8 बजे शहपुरा (भिटौनी) में स्थित एक निजी कम्प्यूटर / फोटोकॉपी की दुकान (आशीष कम्प्यूटर्स पोस्ट ऑफिस के पास शहपुरा) में एम.पी. लोकल इलेक्शन की बेबसाईट से बिना फोटो वाली मतदाता सूची डाउनलोड करके प्रिंट आऊट के लिये गये तो देखा कि पहले से ही कैथरा मोहल्ला निवासी सेतु सिंह रंगीन फोटोयुक्त मतदाता सूची कलर प्रिंटर के द्वारा दुकानदार से निकलवा रहा था । कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा के सेतु सिंह एवं संबंधित भाजपा पार्षद प्रत्याशी विक्रांत सिंह एवं शेख जमील के विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज करके कानूनी कार्यवाही करने की मांग रखी है।

इनका कहना है

इस संबंध में शिकायत प्राप्त हुई है जिसकी जांच कराई जा रही है। वेंडर ने मतदाता सूची कैसे सार्वजनिक की इसका पता लगाया जाएगा और शाम तक कार्रवाई की जाएगी।

नमः शिवाय अरजरिया, उप जिला निर्वाचन अधिकारी

ओएफके में कर्मचारी की उंगलियां आई चपेट में

एस ए-वन में कार्य के दौरान घटना जबलपुर हास्पिटल भेजा

जबलपुर यशभारत। आयुध निर्माणी खमरिया में काम करने के दौरान भी एक कर्मचारी की उंगलियां मशीन की चपेट में आ गई।उसे तत्काल उसके साथी खमरिया फैक्टरी अस्पताल ले गए जहां प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर अस्पताल रवाना कर दिया है प्राप्त जानकारी के अनुसार जब एस ए-वन अनुभाग में सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे अंशुल बाजपेयी नामक कर्मचारी काम कर रहा था।तभी कार्य के दौरान उसकी दो उंगलियां मशीन की चपेट में आ गई।कर्मचारी को तत्काल सहकर्मियों की मदद से अस्पताल पंहुचाया गया जहां प्राथमिक उपचार

के बाद जबलपुर अस्पताल इलाज के लिए भेज दिया है।इस संबंध में दिनेश कुमार डीजीएम/जनसंपर्क अधिकारी ओएफके दिनेश कुमार ने बताया कि कर्मचारी को मामूली चोट आई है। उसे अगले उपचार के लिए रिफर कर दिया है।

जबलपुर एमयू का पहली बार आयोजित होगा दीक्षांत

तैयारियां जोरों पर जुलाई में आयोजन कराने की तारीख तय

जबलपुर, यशभारत। मप्र आयुर्विज्ञान यूनिवर्सिटी के इतिहास के पन्नों में जुलाई माह सुनहरे अक्षरों में अंकित होने वाला है। विवि स्थापना के बाद पहली बार दीक्षांत समारोह जुलाई माह में आयोजित होने जा रहा है। विवि ने दीक्षांत समारोह की सारी तैयारियां पूरी कर ली है। कार्यक्रम में महामहिम, मुख्यमंत्री, चिकित्सा मंत्री सहित अन्य प्रतिनिधियों को आमंत्रण भेजा गया है। आयुर्विज्ञान विवि के कुलसचिव डॉक्टर प्रभात बुधौलिया ने बताया कि यूनिवर्सिटी की स्थापना साल 2011 में हुई थी उसके बाद से आज तक दीक्षांत समारोह आयोजित नहीं हुआ था।

यह पहली बार है कि यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह कार्यक्रम जुलाई में होने जा रहा है। दीक्षांत से जुड़ी सारी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। कार्यक्रम में राज्यपाल, मुख्यमंत्री से लेकर चिकित्सा शिक्षा से जुड़े तमाम जनप्रतिनिधियों को बुलाया गया है। उनका आना तय हो जाने के बाद ही दीक्षां की तारीख तय की जाएगी।

आरटीआई अधिनियम में निजी विश्वविद्यालयों को जानकारी देने बाध्य न किया जाए

जबलपुर, यशभारत। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश में व्यवस्था दी है कि निजी विश्वविद्यालयों को आरटीआई अधिनियम अंतर्गत जानकारी देने बाध्य न किया जाए। न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी की एकल पीठ ने मुख्य सूचना आयुक्त के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी। याचिकाकर्ता निजी विश्वविद्यालयों की ओर से अधिवक्ता सिद्धार्थ राधेलाल गुप्ता

न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी की एकल पीठ ने मुख्य सूचना आयुक्त के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी

व आशीष मिश्रा ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि निजी विश्वविद्यालय केंद्र या राज्य सरकार से किसी भी तरह का वित्तीय सहायता या शासकीय अनुदान प्राप्त नहीं करते हैं। लिहाजा, उन्हें सूचना के अधिकार में लोक सूचना अधिकारी को नियुक्त करने बाध्य करना किसी भी व्यक्ति द्वारा दाखिल आवेदन को स्वीकार कर सूचना प्रदान करने के लिए बाध्य करना अनुचित है। राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त द्वारा आदेश पारित कर के यह कहा था कि प्रदेश भर के निजी विश्वविद्यालय न केवल लोक सूचना अधिकारी नियुक्त करने अपितु सूचना के अधिकार में मांगी जाने वाली सभी जानकारियों को सार्वजनिक करने हेतु बाध्य हैं। इसी रवैये के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई है। राज्य सूचना आयोग की ओर से अधिवक्ता जय शुक्ला ने पैरवी की।

THE BEST CREATIVE LEARNING SCHOOL OF JABALPUR
GOLDEN STAR
A MONTESSORI SCHOOL
Play Nursery | Nursery | KG I - KG II | Ist to Vth
CBSE PATTERN OF STUDY
AFFILIATED TO MP BOARD
For Details Call:
9981997833 , 9981997834
TRANSPORT FACILITY AVAILABLE
ADMISSION OPEN 2022-23
81,Ashok Nagar,In front of Jain Mandir,Adhartal,Jabalpur(M.P.)
Ph.No.:0761-4115332,E-mail:goldnstar81gs@gmail.com

मेकिंग चार्जेस पर पाएँ 25% Discount
लकी ड्रॉ
100% EXCHANGE On Hallmark Jewellery
आसान किस्तों में ज्वैलरी खरीदें
अरिहंत ज्वेलर्स
गोल्ड | डायमंड | सिल्वर
789, होटल समदड़िया इन, सराफा चौक, जबलपुर - 8878730000

हृदय रोग जांच एवं परामर्श
डॉ. इसरार अहमद
M.B.B.S., PGDCC (Dip.Card), CCEBDM, FNIC
Fellowship in Echocardeography
हार्ट अटेक (हृदयघात) | उच्च रक्तचाप | घबराहट व धड़कन बढ़ना
सीने में दर्द व भारीपन | बी.पी.का बढ़ना या घटना | बिना वजह पसीना आना
दिन- सोमवार से शनिवार समय- शाम 7:00 से 9:30
मो. 9717459755/फोन-0761-2443366
पता-1969,नाज मेडिकल हाईकोर्ट रोड रद्दी चौकी, जबलपुर

Admission Open 2022-23
A Name of Quality Education
यश नर्सरी हा.से. स्कूल
ESTD- 2004
अधारताल/गोहलपुर, जबलपुर (English & Hindi Medium)
Dr. Vijaykant Tiwari (Director)
स्पेशल डिस्काउन्ट का अंतिम सप्ताह
गुलाब टॉवर, स्टेट बैंक के पीछे, अधारताल, मो: 0761-4020761, 6263988587
शंकर पटेल मार्केट, अमखेरा रोड, गोहलपुर मो: 9111009016

14 आयुर्वेदिक दर्दनाशक तेलों का मिश्रण
मामजेसिक
तीव्र दर्दनाशक तेल / क्रीम
कमर, पीठ, गर्दन, जोड़ों एवं घुटने का दर्द, कंधे एवं कूल्हों का दर्द, अंदरूनी चोट, मोच-सूजन, मॉसपेशियों में खिंचाव-लचकना, पिंडलियां, पंजों, हड्डियों एवं पसलियों में दर्द, हाथ-पैर में झुनझुनी, कम्पन्न, कमजोरी, जाँघों में दर्द हेतु अत्यंत प्रभावशाली एवं गहराई तक असरकारक...
लकवा रोगियों हेतु अत्यंत लाभदायक
मामजेसिक तीव्र दर्दनाशक तेल / क्रीम
9826035091 सभी मेडीकल स्टोर्स में उपलब्ध

AFFILIATED TO CBSE | ATAL LAB
GREEN VALLEY PUBLIC SCHOOL
ADMISSION OPEN
SEPARATE HOSTAL FACILITY FOR BOYS & GIRLS
NURSERY TO CLASS- 12th
FREE BOOKS & UNIFORM FOR NEW ADMISSION
Raingwa, Karmeta, Patan Road Jabalpur- 9300119919 ,9300154300

मध्य भारत का तेजी से उभरता हुआ, सर्वप्रथम होलीस्टिक हॉस्पिटल
गैलेक्सी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल
आयुष्मान एवं सभी प्रकार के टीपीए की सुविधा
आर्यरा AaryAra (illuminate AspiratioN)
उखरी तिराहा, विजय नगर, जबलपुर (मप्र)-482003
0761-4017010, 4027010, 2647010 Helpline 881983000,7777877708
galaxyhospitaljbpweb@gmail.com, galaxyhospitaljbp2020@gmail.com www.galaxyhospitaljbp.com

महात्मा गाँधी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग
नन्दवन्दन कॉलेज ऑफ नर्सिंग
Estd.2006
प्रवेश प्रारंभ 2022-23
M.Sc. (N) 2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स
P.B.B.Sc. (N) 2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स
G.N.M. 3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स
B.Sc. (N) 4 वर्षीय नर्सिंग कोर्स
A.N.M. 2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स
Mob. 9300637079, 8103218415, 9893691462, 9200007079, 9200007074

स्थापना 1948 74 वर्षों का आपका विश्वास
मंदिर छाप छाता
छाता ही छाता
निर्माता- लक्ष्मी अम्ब्रेला इंडस्ट्रीज
905 जवाहरगंज जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481944
लक्ष्मी एम्पोरियम 905 जवाहरगंज जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481229
अधिकृत विक्रेता प्लास्टिक सिल्पोलिन तिरपाल के थोक विक्रेता मो. 9826116661
न्यू लक्ष्मी एम्पोरियम 3/15 सिविक सेंटर मढ़ाताल जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481262,2481362

अब नई श्रृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

आपका शैल्बी, आपका हेल्थ पार्टनर
अधिक जानकारी व अपॉइंटमेंट हेतु संपर्क : +91 95758 01200
28 YEARS
SHALBY MULTI-SPECIALTY HOSPITALS
In association with SMJ Trust
शैल्बी हॉस्पिटल्स
प्लाट नं. 5, अहिंसा चौक, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.)
24/7 Emergency & Pharmacy
www.shalby.org

Roasted Food Junction
जनता साइकिल के बाजू से बड़ी ओमती चौक, जबलपुर
न्यू शो रूम
फ्रूट आयटम उपलब्ध
रोस्टेट नमकीन, सतू, रोस्टेट ड्राई फ्रूड, बकेट टोस्ट, केला जिप्स, पीनट चिक्की, ड्राईभेज, बिस्केट, फुल्की, रोस्टेट पीनट
AK's Special
मनोज संगतानी मो. 9301997304

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा जनपक्ष प्रिंटिंग एवं पब्लिशिंग, गोपालबाग जबलपुर-2 से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2022-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)